**NEET Bulletin Helpline No.**
**8800265682**
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

# विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 327 लखनऊ, रविवार 14 जुलाई 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

## कई परियोजनाओं के शिलान्यास–उद्घाटन के बाद मुंबई में बोले पीएम–मोदी

एजेंसी।

महाराष्ट्र। नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र के पास गौरवशाली इतिहास है। महाराष्ट्र के पास सशक्त वर्तमान है। महाराष्ट्र के पास समृद्ध भविष्य का सपना है। महाराष्ट्र वो राज्य है, जिसकी विकसित भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी आज मुंबई के दौरे पर हैं। विधानसभा चुनाव से पहले उनका ये दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरान उन्होंने 29,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ, राष्ट्र को समर्पित और शिलान्यास किया। इस अबसर पर उन्होंने कहा कि आज मुझे महाराष्ट्र और मुंबई के लिए 3 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के शिलान्यास और लोकार्पण

का अवसर मिला है। इन प्रोजेक्ट्स से मुंबई और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। इनमें रोड और रेल परियोजनाओं के अलावा महाराष्ट्र के नौजवानों के कौशल विकास की बहुत बड़ी योजना भी शामिल है। मोदी ने कहा कि इनसे महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में रोजगार का निर्माण भी होगा। 2–3 सप्ताह पहले ही केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र के लिए वध ावन पोर्ट को भी स्वीकृति दी है। 76 हजार करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट से यहां 10 लाख से ज्यादा रोजगार बनेंगे। उन्होंने दावा किया कि बीते 1 महीने से मुंबई देश–विदेश के निवेशकों के उत्सव की साक्षी बनी है। छोटे बड़े हर निवेशक ने हमारी सरकार के तीसरे टर्म का उत्साह से स्वागत किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि लोग जानते हैं कि छक। सरकार ही स्थिरता और स्थायित्व दे सकती है। तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैंने कहा था कि तीसरे टर्म में छक। सरकार तीन गुना तेजी से काम करेगी और आज ये होते हुए हम देख रहे हैं।नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र के पास गौरवशाली इतिहास है। महाराष्ट्र के पास सशक्त वर्तमान है। महाराष्ट्र के पास समृद्ध भविष्य का सपना है। महाराष्ट्र वो राज्य है, जिसकी विकसित भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत की आकांक्षाएं – भारत की \. चपतंजपवदे इस समय बहुत ऊंचे स्तर पर हैं। इस सदी के करीब–करीब 25 साल बीत चुके हैं। देश की जनता लगातार तेज विकास चाहती है, अगले 25 वर्ष में भारत को विकसित बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में महाराष्ट्र में नेशनल हाइवे की लंबाई बढ़कर तीन गुना हो चुकी है। गोरेगांव–मुलुंड लिंक रोड प्रोजेक्ट प्रगति और प्रकृति के तालमेल का शानदार उदाहरण है। कनेक्टिविटी के ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर से पर्यटन, खेती और उद्योग सभी को लाभ हो रहा है। इससे रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। जब अच्छी कनेक्टिविटी होती है, तो उससे महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा और सम्मान भी मिलता है। यानी छक। सरकार के ये काम गरीब, किसान, नारीशक्ति और युवाशक्ति को सशक्त कर रहे हैं।

## यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की जांच हो – सीएम योगी

लखनऊ। संवाददाता।

अपने सरकारी आवास पर एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधि ाकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए।उन्नाव बस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार किया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों को सीएम योगी ने दो टूक निर्देश दिये हैं कि भविष्य में प्रदेश की सड़कों पर डग्गामार या बिना परमिट कोई बस चलती मिली तो संबंधित अधिकारियों की खैर नहीं। अपने सरकारी आवास पर

एक अति महत्वपूर्ण बैठक के दौरान परिवहन विभाग के अधि ाकारियों को सीएम ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही सभी यात्री बसों और स्कूल बसों का परमिट, फिटनेस, इंश्योरेंस और ड्राइवरों की गहनता से जांच की जाए। वहीं मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद परिवहन विभाग ने पूरे प्रदेश में एक माह तक डग्गामार और बिना परमिट वाले वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के निर्देश जारी कर दिये हैं। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव परिवहन को निर्देशित करते हुए कहा कि आखिर डग्गामार और बिना परमिट वाली बसें सड़कों पर कैसे बेरोकटोक घूम रही हैं।

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तबीयत में सुधार, दिल्ली एम्स से मिली छुट्टी

एजेंसी।

नई दिल्ली तीन दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कैबिनेट सहयोगी और वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई दी थी और कहा था कि वह कड़ी मेहनत और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़े हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दिल्ली के एम्स से छुट्टी मिल गई है, जहां उन्हें पीठ दर्द के कारण भर्ती कराया गया था। केंद्रीय मंत्री ने दो दिन पहले पीठ दर्द की शिकायत की थी. वह

न्यूरोसर्जरी विभाग की निगरानी में थे। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मीडिया सेल प्रभारी डॉ. रीमा दादा के अनुसार, पीठ दर्द के लिए सिंह का मूल्यांकन और उपचार किया गया। दादा ने कहा, मंत्री को शनिवार दोपहर करीब दो बजे छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि सिंह को गुरुवार तड़के अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग के पुराने निजी वार्ड में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर है और एम्स की मीडिया सेल प्रभारी डॉ. रीमा दादा ने कहा कि वह उनकी निगरानी में हैं।तीन दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कैबिनेट सहयोगी और वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई दी थी और कहा था कि वह कड़ी मेहनत और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़े हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंह 73 वर्ष के हो गए। मोदी ने रक्षा मंत्री का अभिनंदन करते हुए देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की बात कही। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं। उत्तर प्रदेश से आने वाले, सिंह ने आरएसएस की छात्र शाखा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य के रूप में शुरुआत की, और फिर भाजपा की युवा शाखा में शामिल हो गए, और अपने संगठन के माध यम से लगातार आगे बढ़ते रहे। एक मिलनसार और निर्विवाद नेता, आम सहमति बनाने के लिए पेचीदा मुद्दों पर अक्सर अन्य दलों तक पहुंचने में पार्टी की पसंद रहे हैं, चाहे वह विपक्ष हो या सहयोगी। वह वर्तमान में लोकसभा में लखनऊ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

## संजय सिंह का अरविंद केजरीवाल की जेल, जमानत और स्वास्थ्य से संबंधित बयान कुछ नया नहीं बल्कि पुराना रटा रटाया बयान है – वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी।

नई दिल्ली। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सांसद संजय सिंह का अरविंद केजरीवाल की जेल, जमानत और स्वास्थ्य से संबंधित बयान कुछ नया नहीं बल्कि पुराना रटा रटाया बयान है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सांसद संजय सिंह का अरविंद केजरीवाल की जेल, जमानत और स्वास्थ्य से संबंधित बयान कुछ नया नहीं बल्कि पुराना रटा रटाया बयान है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि जब भी आम आदमी पार्टी के नेताओं को अरविंद केजरीवाल के लिए जमानत की कोई उम्मीद नजर आती है, तो वे अपना पुराना बयान दोहराने लगते हैं कि बीजेपी केजरीवाल को जेल में रखना चाहती है और उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है, उनका वजन घट रहा है और गंभीर बीमारी की संभावना है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि संजय सिंह को ध्यान देना चाहिए कि दिल्ली के लोगों

का अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर अब कोई विश्वास नहीं रह गया है, जैसा कि उन्होंने हाल ही में लोकसभा चुनावों में केजरीवाल की ष्जेल का जवाब वोट सेष अभियान को खारिज करके दिखाया। केजरीवाल ने बार–बार मतदाताओं से कहा कि अगर आप चाहते हैं कि मैं स्वतंत्र रहूं तो मुझे वोट दें, लेकिन दिल्ली, गुजरात, हरियाणा और पंजाब के लोगों ने केजरीवाल और उनकी अपील को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

## संविधान की आत्मा पर प्रहार करने वाले संविधान हत्या दिवस मनाएंगे–प्रियंका

संवाददाता।

लखनऊ प्रियंका ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि इसमें आश्चर्य की क्या बात है कि संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार करने वाले लोग संविधान हत्या दिवस मनाएंगे। केंद्र ने 25

जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी दिन 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी। प्र ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संविधान हत्या दिवस 25 जून को मनाया जाना ''हमें याद दिलाएगा कि जब संविधान को रौंदा गया था, तो क्या हुआ था।''प्रियंका ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लड़कर अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे।

## श्रावण मास अयोध्या में होगा खास, रामलला झूलेंगे झूला

एजेंसी।

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद चौत्र मंदिर में विराजमान होने के बाद चौत्र मास में नवमी तिथि को रामलला का जन्मोत्सव वृहद स्तर पर भव्य रूप से मनाया गया था। इसके बाद यह पहला अवसर होगा, जब वह श्रावण मास में गर्भगृह में झूला झूलेंगे। अयोध्या में विराजमान प्रभु श्रीराम अब रामनवमी की भांति ही श्रावण मास में भी खुशियां मनायेंगे। नवनिर्मित राम मंदिर में आसीन रामलला सावन में झूलनोत्सव को भी हर्षोल्लास से मनाते नजर आयेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। नए मंदिर में विराजमान रामलला का यह पहला सावन का महीना होगा, जब वह झूले पर विशेष शृंगार के साथ प्रतिष्ठित किए जाएंगे। गर्भगृह में झूलनोत्सव श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी नागपंचमी के दिन नौ अगस्त को प्रारंभ होगा। यद्यपि इस पर अंतिम निर्णय ट्रस्ट लेगा, परंतु पूर्व से यही परंपरा है। श्रावण शुक्ल तृतीया यानी सात अगस्त से मर्णिपवर्त पर झूलनोत्सव शुरू होगा। श्री राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद चौत्र मंदिर में विराजमान होने के बाद चौत्र मास में नवमी तिथि को रामलला का जन्मोत्सव वृहद स्तर पर भव्य रूप से मनाया गया था। इसके बाद यह पहला अवसर होगा, जब वह श्रावण मास में गर्भगृह में झूला झूलेंगे। रामलला का विशेष श्रृंगार करा उन्हें झूले पर प्रतिष्ठित कराएगा।

श्रृंगार व झूलनोत्सव की शुरुआत की रूपरेखा तैयार की जा रही है। शीघ्र ही सभी ट्रस्टियों की सहमति से इस पर निर्णय लिया जाना है। परंपरा के अनुसार रामनगरी में झूलनोत्सव की शुरूवात श्रावण मास की तृतीया तिथि से मणि पर्वत से होती रही है। इसी के साथ अधिकांश मठ–मंदिरों में भी झूलनोत्सव शुरू होता है। कहीं पखवारे भर तो कही पूरे माह तक कार्यक्रम होते है। और ठाकुर जी को विधि ा–विधान से झूला झुलाया जाता है। राम मंदिर में झूलनोत्सव की शुरूवात श्रावण मास के शुल्क पक्ष की पंचमी तिथि से होती रही है। इसी दिन विशेष श्रृंगार मास के बाद ठाकुरजी झूले पर विराजते हैं। इस बार श्रावण मास 22 जुलाई से शुरू हो रहा, लेकिन शुल्क पक्ष पांच अगस्त से प्रारंभ होगा। पंचमी तिथि नौ अगस्त को पड़ रही है।

## कूलर के सामने बैठने को लेकर विवाद होने पर दुल्हन ने शादी से किया इनकार

संवाददाता।

बलिया एक शादी समारोह में कूलर के सामने बैठने को लेकर बारातियों द्वारा विवाद कर लिया गया जिसके बाद दुल्हन प्रतिभा गुप्ता नाराज हो गई और उसने शादी से इनकार दिया, इससे दोनों पक्षों में भारी विवाद हो गया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के चितबड़ागांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात कूलर के सामने बैठने को लेकर बारातियों के विवाद करने के बाद दुल्हन के शादी से इनकार करने पर बारात बैरंग लौट गई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दूल्हे सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार जिले के चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के चितबड़ा गांव में शुक्रवार की रात एक शादी समारोह में कूलर के सामने बैठने को लेकर बारातियों द्वारा विवाद कर लिया गया जिसके बाद दुल्हन प्रतिभा गुप्ता नाराज हो गई और उसने शादी से इनकार दिया, इससे दोनों पक्षों में भारी विवाद हो गया। थाना प्रभारी प्रशांत चौधरी ने बताया कि दोनों पक्षों के काफी प्रयास के बावजूद दुल्हन शादी करने के लिए तैयार नहीं हुई। पुलिस ने इस मामले में दूल्हा हुकुम चंद जायसवाल, उसके बहनोई पंकज जायसवाल के साथ ही दुल्हन के पिता नन्द जी गुप्ता और उसके भाई राजेश गुप्ता के खिलाफ बीएनएस की धारा 126 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

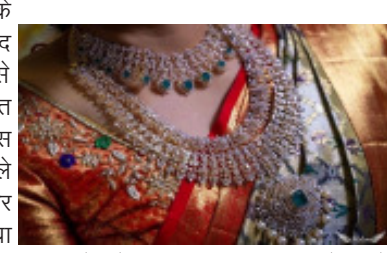

## क्या तेजस्वी के साथ पप्पू यादव ने कर दिया खेल, रुपौली विधानसभा उपचुनाव के नतीजे ने कैसे निकाल दी जदयू की हवा?

एजेंसी।

पटना बिहार सवाल यह है कि आखिर रुपौली में इतनी मेहनत करने के बावजूद भी तेजस्वी यादव की हर कैसे हुई? क्या पप्पू यादव ने तेजस्वी से बदला ले लिया? ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पप्पू यादव पूर्णिया से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन लालू यादव और तेजस्वी यादव ने वीटो लगा दिया। इसके बाद पप्पू यादव निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे थे।

बिहार में हुए एकमात्र उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई है। दरअसल, पूर्णिया लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली रूपाली विध ाानसभा सीट पर यह उपचुनाव हुआ था। यहां से निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने बाजी मार ली है। लेकिन मुख्य मुकाबला जदयू और राजद के बीच ही माना जा रहा था। जदयू ने जहां कलाधर मंडल को मैदान में उतारा था। तो वहीं राजद ने लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद भी बीमा भारती पर भरोसा बनाए रखा। जदयू से नाराजगी के बाद बीमा भारती राजद में शामिल हो गई थीं। उन्होंने पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था लेकिन जीत नहीं सकी थीं। वह रूपाली से पूर्व विधायक रही हैं। उनके इस्तीफा देने के बाद ही यह विधानसभा के चुनाव हुए हैं।अब हम मुख्य मुद्दे पर आते हैं। सवाल यह है कि आखिर रुपौली में इतनी मेहनत करने के बावजूद भी तेजस्वी यादव की हर कैसे हुई? क्या पप्पू यादव ने तेजस्वी से बदला ले लिया? ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पप्पू यादव पूर्णिया से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन लालू यादव और तेजस्वी यादव ने वीटो लगा दिया। इसके बाद पप्पू यादव निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे थे।

## 8.5 किलो कम हुआ वजन, शुगर लेवल हुआ कम, केजरीवाल को लेकर आप का नया दावा

एजेंसी।

नयी दिल्ली सिंह ने इसे अत्यधिक चिंताजनक बताते हुए दावा किया कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार केजरीवाल को गंभीर बीमारी से पीड़ित करने की साजिश रच रही है। शराब नीति मामले में ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केजरीवाल 1 अप्रैल से तिहाड़ जेल में हैं। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन 8.5 किलोग्राम कम हो गया और उनका रक्त शर्करा स्तर पांच बार 50 मिलीग्रामध्डीएल से नीचे चला गया। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, सिंह ने इसे अत्यधिक चिंताजनक बताते हुए दावा किया कि केंद्र में भाजपा के

नेतृत्व वाली सरकार केजरीवाल को गंभीर बीमारी से पीड़ित करने की साजिश रच रही है। शराब नीति मामले में ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केजरीवाल 1 अप्रैल से तिहाड़ जेल में हैं। सिंह ने कहा कि 21 मार्च को जब केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था तब उनका वजन 70 किलोग्राम था और उनका वजन घटकर 61.5 किलोग्राम रह गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केजरीवाल को जेल में प्रताड़ित करना है और मोदी सरकार का लक्ष्य उनकी जिंदगी से खेलना है। जब केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, तब उनका वजन 70 किलोग्राम था। आज उनका वजन 8.5 किलोग्राम घटकर 61.5 किलोग्राम हो गया है। सिंह ने कहा कि उनके वजन के लगातार कम होने का कारण अज्ञात है क्योंकि कोई परीक्षण नहीं किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वजन कम होना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मामले में शुक्रवार को केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी। हालाँकि, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच की जा रही भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के कारण वह अभी भी जेल में हैं। सिंह ने कहा कि जब उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल जाएगी, उससे पहले ही सीबीआई ने केजरीवाल के खिलाफ मनगढ़ंत मामला बना दिया। यह सब उनकी जिंदगी से खिलवाड़ करने के लिए किया जा रहा है।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 7218711 वाद निस्तारित हुए

लखनऊ (आरएनएस) न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालयध्कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधि ाकरणए न्यायमूर्ति अरूण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालयधमुख्य संरक्षक, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधि ाकरण के मार्गदर्शन व माननीय न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता वरिष्ठ न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबादध्कार्यपालक अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल निर्देशन में शनिवार को सम्पूर्ण प्रदेश में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गयी। राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा हेतु 20 जून, 2024 को अपर मुख्य सचिव, गृह, उ0प्र0 शासन, द्वारा समस्त मण्डलायुक्त, पुलिस आयुक्त, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिदेशक, समस्त जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकध्पुलिस अधीक्षकगण आदि से जूम मीटिंग के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत में पूर्व से अधिक वाद निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया था। प्रदेश के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों से प्राप्त सूचना के अनुसार सायं 06:00 बजे तक उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोक अदालत में 7218711 वाद निस्तारित किये गये,

जिसमें 6476239 प्री–लिटिगेशन वाद तथा 742472 लम्बित वाद थे। लम्बित एवं प्री–लिटिगेशन वादों के निस्तारण की अन्तिम संख्या अभी प्रतीक्षित है।

# मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री के प्राप्त निर्देश के अंतर्गत परिवहन आयुक्त ने एक माह तक लगातार चेकिंग अभियान

लखनऊ (आरएनएस) परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश चंद्रभूषण सिंह ने आज समस्त उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र), समस्त सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासनध प्रवर्तन), समस्त सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासनधप्रवर्तन) को निर्देश दिए हैं कि एक माह तक अनवरत रूप से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु यात्रीध स्कूली वाहनों की चेकिंग की जाय। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के विभिन्न टोल प्लाजा पर संभागीय परिवहन अधिकारियों की तिथिवार ड्यूटी लगाई है (सूची संलग्न है)। साथ ही निर्देश है कि निर्धारित तिथियों में प्रत्येक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सम्बन्धित टोल प्लाजा पर स्वयं उपस्थित होकर सम्भाग के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों के साथ प्रवर्तन कार्यवाही करेंगे। चिन्हित स्थानों पर अनन्य रूप से एक–एक इण्टरसेप्टर तैनात की जाएगी। कृत कार्यवाही से सम्बन्धित सूचना एवं फोटो विभागीय व्हाट्स एप्प ग्रुप में प्रेषित की जाएगी। बिना अधोहस्ताक्षरी की अनुमति के किसी भी प्रकार का विचलन ग्राह्य नहीं होगा। परिवहन आयुक्त ने कहा कि प्रदेश में बढ़ती हुयी सड़क दुर्घटनाएं अत्यंत ही चिन्ता का विषय है। सड़क सुरक्षा तथा स्कूली बच्चों का सुरक्षित परिवहन प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। मा० मुख्यमंत्री जी एवं परिवहन मंत्री जी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु समय–समय पर निर्देश दिये जाते हैं।उन्होंने कहा कि यात्री वाहन एवं स्कूली वाहनों की दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक है कि वाहनों के समस्त प्रपत्र वैध हों तथा वाहन चालक यातायात के नियमों का पालन करें।परिवहन आयुक्त ने कहा कि प्रदेश में पंजीकृत कुल यात्रीध स्कूली वाहनों के सापेक्ष अधिकतर वाहनों की फिटनेसध्परमिट वैध नहीं है, जिसके कारण किसी भी अप्रिय घटना होने के कारण परिवहन विभाग प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी होता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक है कि वाहन पोर्टल के माध्यम से आपके जनपदों में पंजीकृत यात्रीध्स्कूली वाहनों की सूची प्राप्त कर उनमें से फिटनेस, परमिट, बीमा आदि की वैधता समाप्त होने पर ऐसे वाहनों के विरूद्ध चालानधबन्द की कार्यवाही आवश्यक रूप से सुनिश्चित की जाय। चेकिंग के दौरान पाये गये यात्री यानों को चेक करते समय वाहन ए०आई०एस० 119 में निर्धारित मानकों को पूर्ण करे तथा किसी भी प्रकार की कमी पाये जाने पर वाहन को आवश्यक रूप से थानोंध्सुरक्षित स्थानों पर निरूद्ध किया जाय। इसके साथ ही यात्री वाहनों के ऊपर बने लगेज कैरियर पर अधिक ऊँचाई तक सामान लादकर वाहन का संचालन किया जाता है, उक्त लदान 1.5 फीट से अधिक होने पर सामान उतरवाकर ही संचालन कराया जाय। परिवहन आयुक्त ने निर्देश दिए कि सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी धपंजीयन अधिकारी अपने–अपने जनपदों में यात्रीध्स्कूली वाहनों की सूची वाहन पोर्टल से प्राप्त कर फिटनेस, परमिट, बीमा आदि प्रपत्र वैध न होने पर सम्बन्धित वाहन स्वामियों को इस आशय का नोटिस निर्गत करें। उन्होंने हाल ही परिवहन मंत्री के स्वयं औचक निरीक्षण का संज्ञान लेते हुए उक्त निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है।

# यूपी में 15 जुलाई से 'हर घर स्वच्छता, हर घर हरियाली' अभियान

लखनऊ (आरएनएस) प्रदेश में होम कम्पोस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए 15 जुलाई से 15 सितम्बर, 2024 तक 02 माह का श्हर घर स्वच्छता, हर घर हरियालीश् अभियान चलाया जायेगा। निदेशक नगरीय निकाय एवं स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय श्री अनुज कुमार झा ने इस संबंध में सभी नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जनपदोंधनिकायों में 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक 75,000 होम कम्पोस्टिंग के लिए घरों का चयन कर इन घरों में वेट वेस्ट का स्वतः निस्तारण करने के साथ पौधरोपण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक जनपद में 1000 नागरिकों को चयनित कर होम कम्पोस्टिंग के लिए प्रेरित किया जायेगा, इससे घरों में बाग, टेरिस गार्डन व बॉलकनी गार्डन के साथ हर घर में स्वच्छता एवं हरियाली को बढावा दिया जायेगा। अभियान के दौरान प्रत्येक घर को चिन्हित् कर 02 माह की समयावधि में वेट वेस्ट से कम्पोस्ट तैयार कर, कम्पोस्ट से पौधारोपण व वेजिटेबल फार्मिंग को बढावा दिया जाना है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक घर में न्यूनतम 01 सब्जी भी उगाये जाने व स्रोत पृथक्कीकरण हेतु नागरिकों को जागरुक भी किया जायेगा। कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार के लिए सभी निकाय स्वयं के सोशल मीडिया पेजों पर कार्यक्रम संबंधित गतिविधियों को हैशटैग के साथ पोस्ट करेंगे।

निदेशक अनुज कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में 15 जुलाई से शुरू होने वाले श्हर घर स्वच्छता, हर घर हरियालीश् अभियान के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों की निकायों में 75,000 होम कम्पोस्टिंग के लिए जनपदवार 1000 नागरिकों को चिन्हित् किया जायेगा, जो होम कम्पोस्टिंग द्वारा घरों के बाग, टेरिस गार्डन व बॉलकनी गार्डन आदि से हर घर में स्वच्छता एवं हरियाली को बढावा देंगे। वहीं प्रत्येक घर को चिन्हित् कर 02 माह की अवधि में कम्पोस्ट तैयार कर, कम्पोस्ट से पौधारोपण व वेजिटेबल फार्मिंग को बढावा दिया जायेगा। प्रत्येक जनपद में चिन्हित् 1000 घरों में 02 माह तक कार्य का अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक घर में न्यूनतम 01 सब्जी भी उगाये जाने हेतु नागरिकों को जागरुक किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन, नगरीय द्वारा चलाये जा रहे ष्हर घर स्वच्छता, हर घर हरियालीष् कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी नागरिकों को स्रोत पृथक्कीकरण के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नागरिकों व सांस्थाओं का होगा सम्मान– अनुज कुमार झा 'हर घर स्वच्छता, हर घर हरियाली' कार्यक्रम के अंतर्गत 02 माह की अवधि पूर्ण होने पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। जिसमें टॉप 1000 नागरिकों को 1000 रूपये मूल्य के, टॉप 100 नागरिकों को 2000 रुपये मूल्य के, टॉप 10 नागरिकों को 3000 रूपये मूल्य के तथा टॉप 03 नागरिकों को 5000 रुपये मूल्य की वस्तु नागरिक उपहार स्वरुप भेंट की जाएगी एवं उत्कृष्ट कार्य किये जाने पर राज्य स्तर पर सम्मानित भी किया जाएगा।

श्हर घर स्वच्छता, हर घर हरियालीश् कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वयंसेवी संस्थाओं/ सी०एस०ओ० का सहयोग भी लिया जाएगा तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को भी सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा।

# आम महोत्सव के दूसरे दिन उमड़ी भीड़

## विभिन्न प्रजातियों के आम बने आकर्षण का केन्द्र

लखनऊ (आरएनएस) प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय आम महोत्सव के दूसरे दिन प्रदर्शनी में विभिन्न जिलों से आये किसानों व बागवानों तथा नागरिकों, मा0 जन प्रतिनिधियों द्वारा आम की लगभग 800 किस्मों के प्रदर्शों का अवलोकन किया गया। अरूणिका, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, पूसा सूर्या, पूसा लालिमा, पूसा पीताम्बरा आदि आम की रंगीन किस्मों को देखकर किसान बन्धु अति उत्साहित दिखे तथा स्टॉलों पर पहुँच कर आम को चख कर रसास्वादन भी किया गयाउद्यान मंत्री ने बताया कि आम महोत्सव में बढ़ते मधुमेह रोगियों के लिए वरदान सिद्ध हो रही आम की टामी–एटकिन्स प्रजाति मुख्य आकर्षण का केन्द्र बन रही है। इसके साथ ही आम की सेन्सेशन प्रजाति अपने रंग एवं आकार के कारण जन–मानस को आकर्षित कर रही है। स्टॉल से कृषकों एवं नागरिकों द्वारा उच्च गुणवत्ता की विभिन्न प्रजातियों (मल्लिका, आम्रपाली, हुस्ने–ए–आरा, अम्बिका, अरूणिमा, चौसा, लगंड़ा, दशहरी, रामकेला आदि) के कलमी पौधों का क्रय किया गया। बच्चों के लिए आम खाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं संध्या काल में आये। आम महोत्सव के दूसरे दिन लगभग 30 हजार से अधिक आगंतुकों ने प्रदर्शनी का लुत्फ उठाया। आम का उत्पादन, उत्पादकता, प्रसंस्करण एवं विपणन तथा निर्यात सम्बन्धी तकनीकी जानकारी बागवानों एवं आगन्तुकों को उपलब्ध कराने के हितार्थ तकनीकी सत्र का भी संचालन किया गया। तकनीकी सत्र के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा गुणवत्तापूर्ण आम उत्पादन, आम की फसल के पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, वैरायटी संरक्षण एवं क्राप इंप्रवूमेंट, जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में आम की बागवानी, आम उत्पादन में संरक्षित खेती की महत्ता एवं सहफसली खेती, आम में पोषक तत्वों की व्यवस्था तथा आम के निर्यात हेतु फाइटोसाइनेट्री मानक एवं ग्रेडिंग, पैकेजिंग पर विस्तार से चर्चा की गयी। आम महोत्सव के समापन के दिन तकनीकी सत्र के उपरान्त आम की विभिन्न प्रजातियों, आम के प्रसंस्कृत उत्पादन का प्रदर्शन, आम पकवान आदि की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों पुरस्कृत किया जायेगा।

# लखनऊ की अर्नवी पाठक एकल व युगल वर्ग के फाइनल में

लखनऊ (आरएनएस) बी. बी.डी. यू.पी. बैडमिंटन अकादमी विपिन खण्ड गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित की जा रही तीन दिवसीय अण्डर–13, में प्राईज मनी 1 लाख द्वितीय योनेक्स सनराईज यू.पी. स्टेट मेजर बैडमिन्टन चौम्पियनशिप 2024 में आज दिनांक 13.07. 2024 को प्री क्वाटर, क्वाटर व सेमीफाइनल के मैच खेले गये। जिसमें अण्डर–13 बालिका वर्ग एकल के सेमीफाइनल में लखनऊ की अर्नवी पाठक ने गर्विता त्रिपाठी (मेरठ) को 21–12, 21–16 व दूसरे एकल सेमीफाइनल में वान्या चौधरी (गौतमबुद्ध नगर,नोएडा), मान्या सिंह (मेरठ) को 19–21, 21–9, 21–19 से हराकर फाइनल में अपना स्थान बनाया। बालक वर्ग एकल के सेमीफाइनल में अतीक अहमद (आगरा) ने सक्षम परासर (अलीगढ़) को 21–19, 21–15 तथा अंकुर प्रताप सिंह (आगरा) ने कुशाग्र द्विवेदी (लखनऊ) को 21–11, 21–17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग युगल के सेमीफाइनल में अतीक अहमद व अंकुर प्रताप सिंह (आगरा) ने कानपुर के कन्दर्प खत्री व शारदूल खत्री को 21–12, 21–12 तथा द्वितीय सेमीफाइनल में वार्चस्व सेन (गुरूगोविन्द सिंह र्स्पोट्स कालेज व वर्धन राज मधूरिया (पिलीभीत) ने आगरा के शौर्य चौधरी व शिवांश सारास्वत को 21–16, 21–17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। कल के फाइनल मैच दोपहर 12:00 बजे से खेले जायेंगे जिसमें बालिका एकल वान्या चौधरी (नोएडा) व अर्नवी पाठक (लखनऊ) के मध्य, बालक एकल अंकुर प्रताप सिंह व अतीक अहमद (आगरा) के मध्य तथा बालक युगल अतीक अहमद व अंकुर प्रताप सिंह (आगरा) व वार्चस्व सेन (गुरूगोविन्द सिंह र्स्पोट्स कालेज व वर्धन राज मधूरिया (पिलीभीत) के मध्य तथा बालिका युगल गर्विता त्रिपाठी (मेरठ), वान्या चौधरी (नोएडा) व अर्नवी पाठक (लखनऊ) मान्या सिंह (मेरठ) के मध्य खेले जायेंगे। इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि सांय 04:00 बजे बी. बी.डी. यू.पी. बैडमिंटन संघ के चेयरमैन व भारतीय बैडमिन्टन संघ के उपाध्यक्ष श्री विराज सागर दास एवं विशिष्ट अतिथि डा. सुधर्मा सिंह, सचिव (यू.पी. बैडमिन्टन संघ) विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को 1 लाख ईनामी राशि, मैडल व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत करेंगे। सभी खिलाड़ियों को डा. योगेश शेट्टी, अभिजीत यादव बुके देकर खिलाड़ियों का स्वागत करेंगे।

# पीडीए की नीति आम जनता को उसका हक दिलवाने वाली – अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी की पीडीए की नीति आम जनता को उसका हक दिलवाने वाली, घ्जनता का कल्याण करने वाली, शोषण–उत्पीड़न से आम जनता की रक्षा करनेवाली,द्य संविधान–आरक्षण को बचाने वाली,द्य पिछड़े–दलितों–अल्पसंख्यकों–आदिवासियों–आधी आबादी और अगड़ों में भी उत्पीड़ितों को प्रभुत्ववादियों के अत्याचार से बचाने वाली है। पीडीए–घकिसान, मजदूर, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा, दुकानदारों और बाकी सबका भी ख्याल रखने वाली घ्समाज के हर वर्ग और तबके को जोड़ने वाली घ्सामुदायिक राजनीति का नया युग शुरू करनेवाली घ्सामाजिक सौहार्द, एकता, भाईचारे को एक सूत्र करने वाली घ्सकारात्मक राजनीति का नया इतिहास लिखने वाली नीति है। इसके विपरीत भाजपा की नीति आम जनता का शोषण करने वाली है। समाज को तोड़ने वाली नकारात्मक राजनीति के पास पीडीए की पाजिटिव पॉलटिक्स का कोई जवाब नहीं है। इसीलिए भाजपा के लोगों में हड़बड़ाहट है। अखिलेश यादव ने कहा है कि पीडीए ही भाजपा के अंदर–बाहर भगदड़ का कारण बन रहा है। भाजपा के तथाकथित सहयोगी भी या तो किसी बहाने से भाजपा से बाहर आना चाहते हैं या वैचारिक दूरी दिखाना चाहते हैं। कोई चिट्ठी को माध्यम बना रहा है तो कोई अपनी नाराजगी भरे बयान से। भाजपाई खेमे की चिंता सिर्फ यूपी के 2027 के चुनाव हारने की ही नहीं है, बल्कि भविष्य का हर चुनाव हारने की है।

उन्होंने कहा कि पीडीए एक नव जागरण है। आज की जागरूक जनता में जो नयी सामाजिक–आर्थिक चेतना आ गयी है, उसी का नाम 'पीडीए' है। पीडीए वर्तमान के पटल पर सामाजिक अखंडता के नये भविष्य का उद्घोष है।

# मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। महिला स्वावलंबन व सशक्तीकरण की दिशा में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा नित नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं।

मनरेगा योजना में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी में इस वर्ष अन्य वर्षो की तुलना में सबसे अधिक है। ग्रामीण महिलाओं की आजीविका संवर्धन से महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं।

ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में अब तक मनरेगा योजना के तहत लगभग 8.70 करोड़ मानव दिवस सृजित हुए, जिनमें लगभग 3.78 करोड़ महिलाएं हैं, जो लगभग 43.53 प्रतिशत है।

उत्तर प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार

गारंटी (मनरेगा) के तहत महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी 2020–21 में 33.57 प्रतिशत रही, वर्ष 2021–22 में 37.25 प्रतिशत रही, वर्ष 2022–23 में 37.87 प्रतिशत रही, वर्ष 2023–24 में यह बढ़कर 42.26 प्रतिशत हो गई और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में अब तक यह प्रतिशत 43.53 हो गया, जो अब तक का सबसे अधिक प्रतिशत है।

आयुक्त, ग्राम्य विकास श्री जी0एस0 प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। फील्ड में तैनात अधिकारियों को समय–समय पर आवश्यक दिशा निर्देश भी निर्गत किये जाते हैं। मनरेगा योजना से जोड़ते हुए ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को कार्य उपलब्ध कराया जा रहा है।

# उ0प्र0 प्रदेश, देश का हृदय व आत्मा – मुख्य न्यायाधीश

## भारत के मुख्य न्यायाधीश एवं उ0प्र0 के मुख्यमंत्री डश्व0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के तृतीय दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए

लखनऊ (आरएनएस) भारत के मुख्य न्यायाधीश मा0 डॉ0 न्यायमूर्ति डी0वाई0 चन्द्रचूड़, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं न्यायाधीशगण आज यहां डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश डॉ0 न्यायमूर्ति डी0वाई0 चन्द्रचूड़ ने मुख्य अतिथि के तौर पर दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ किया। मा0 डॉ0 न्यायमूर्ति डी0वाई0 चन्द्रचूड़ तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियां को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। मुख्य न्यायाधीश ने दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 09 वर्षों पश्चात डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में यह उनकी तीसरी विजिट है। विगत 02 विजिट में वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर सम्मिलित हुए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में लगभग 03 वर्षों के कार्यकाल में अनुभव किया कि यह प्रदेश, देश का हृदय व आत्मा है।हमारा देश भाषा और क्षेत्र के आधार पर विविधिताओं का देश है। उत्तर प्रदेश में भाषा व क्षेत्र के आधार पर अलग–अलग बोलियां हैं। ऐसी स्थिति में यह सवाल उठता है कि न्याय और संविधान के मूल्यों को जन–जन तक कैसे पहुंचाया जाए। कई बार ऐसा होता है कि अपने मामले को लेकर आम नागरिक में यह समझ नहीं होती कि कोर्ट में क्या बहस हो रही है। भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उन्होंने ऐसे कई निर्देश दिए हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया को आम लोगों के लिए आसान बनाया जा सके। उदाहरण के तौर पर उच्चतम न्यायालय द्वारा अंग्रेजी में दिए गए निर्णयों का भारत के संविधान में उल्लिखित विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है, जिससे आम जनता भी समझ सके कि निर्णय में क्या लिखा गया है। सन् 1950 से लेकर वर्ष 2024 तक सर्वोच्च न्यायालय के 3,7000 रिपोर्टिंग जजमेंट का हिंदी में अनुवाद किया जा चुका है। यह सेवा सभी नागरिकों के लिए डिजिटल एस0सी0आर0 के रूप में निःशुल्क है। सभी इस सेवा का उपयोग अवश्य करें।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह अपने सहयोगियों एवं देश के तमाम शिक्षाविदों से विचार विमर्श करते हैं कि कैसे विधि शिक्षा को सरल भाषा में पढ़ाया जा सके। संविधान के अलग–अलग प्रावधानों में कुछ नियम और बुनियादी सिद्धांत हैं। हम इन सिद्धांतों को अंग्रेजी भाषा में अच्छा से अच्छा पढ़ाते हैं, लेकिन उन सिद्धांतों को क्षेत्रीय भाषाओं में समझाने में स्वयं को असहज पाते हैं। यदि हम कानून के सिद्धांतों को सरल भाषा में आम जनता को नहीं समझ पा रहे हैं, तो इसमें कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा की कमी नजर आ रही है। इस बात का असर आम नागरिकों विशेष कर समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। हमारे देश में आम जनता की सुविधा के लिए कई कानूनी योजनाएं बनाई गई हैं। जैसे यदि कोई व्यक्ति न्यायालय में अपना मामला लेकर आना चाहता है, लेकिन कमजोर आर्थिक, सामाजिक स्थिति के कारण उसके पास वकील करने की सुविधा नहीं है। तब न्यायालय अपनी तरफ से उसके लिए वकील उपलब्ध करवाता है। इससे हम अंग्रेजी में राइट टू फ्री लीगल एड कहते हैं। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति पर कोई कानूनी मुकदमा होता है और उसे जेल भेजा जाता है। यदि उसके पास स्वयं का वकील करने के पैसे नहीं होते हैं, तब भी उसे निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया हमारे संविधान के प्रावधानों में निहित है। इन योजनाओं के बावजूद यदि हम उस व्यक्ति को सरल भाषा में उसके अधिकारों के बारे में नहीं बता सकते, तो यह योजनाएं अधूरी साबित होंगी। प्रत्येक विधि विश्वविद्यालय को एक विधि सहायता केंद्र स्थापित करना अनिवार्य है। इन केन्द्रां में अध्यापकों, वकीलों और छात्रों द्वारा आम जनता के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया है। यह अपेक्षा है कि इन केन्द्रों में जरूरतमंद लोग आएंगे और उनको कानूनी सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा कई बार विश्वविद्यालय के विधि सहायता केन्द्र अपने आसपास के गांवों में विधिक सहायता शिविर का भी आयोजन करते हैं।मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय के रिसर्च विभाग को यह आदेश दिया था कि इन सहायता केन्द्रां को बेहतर करने के उपायों पर विश्लेषण किया जाए। रिसर्च विभाग ने देश के 81 विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों का सर्वे किया, जिसके विश्लेषण में यह पाया गया कि आम जनता को अंग्रेजी भाषा न जानने की वजह से अपने अधिकारों से जुड़ी योजनाओं को समझने में कठिनाई महसूस होती है। कहने का तात्पर्य यह है कि विधि विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। कई बार छात्र विधिक सहायता केन्द्रों में कानूनी प्रक्रिया को आम जनता को क्षेत्रीय भाषाओं में ठीक से नहीं समझा पाते हैं। कानून को पढ़ाने की प्रक्रिया में हमें क्षेत्रीय भाषाओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय को हिंदी में स्नातक एवं परास्नातक कोर्स शुरू करने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालयों में क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े कानून को भी बताया जाना चाहिए। पड़ोस के गांव से यदि कोई व्यक्ति आपके विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र में आता है तथा अपनी जमीन से जुड़ी समस्या को बताता है, लेकिन यदि छात्र को खसरा और खतौनी का मतलब ही नहीं पता है तो छात्र उस व्यक्ति की सहायता कैसे कर पाएगा। लोगों के लिए उनकी जमीन महत्वपूर्ण है तथा उनकी आमदनी व जीवन जीने का स्रोत है। इसलिए जमीन से सम्बंधित क्षेत्रीय कानून के बारे में भी छात्र को अवगत कराना चाहिये। उत्तर प्रदेश आकर एहसास हुआ कि लोगों के लिए उनकी जमीन अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

एक वकील को किसी भी सिद्धांत को सरल भाषा में समझाना आना चाहिए। इसके लिए हमें कानूनी शिक्षा के तरीकों पर पुनर्विचार करना होगा। इसमें हम तकनीक का भी सहारा ले सकते हैं तथा विश्वविद्यालयों में आपसी समन्वय की अपेक्षा भी कर सकते हैं। कई विश्वविद्यालय मिलकर कानून के विषय से संबंधित टीचिंग मॉड्यूल्स सरल एवं क्षेत्रीय भाषा में तैयार कर सकते हैं। कानूनी सिद्धांतों को ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों और आम जनता तक पहुंचाया जा सकता है। कानूनी शिक्षा में अंग्रेजी के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी अपनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मा0 डॉ0 न्यायमूर्ति डी0 वाई0 चंद्रचूड़ का स्वागत करते हुए कहा कि देश में विधि का शासन हो, विधि विषय में स्नातक, परास्नातक और शोध की उपाधि लेने के उपरांत अच्छे विधि विशेषज्ञ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण के वर्तमान अभियान का हिस्सा बन सकें, इसके प्रति उनके अंतःकरण की जिजीविषा ने यह संयोग दिया है कि इस तृतीय दीक्षांत समारोह के साथ–साथ पूर्व के दो दीक्षांत समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश डॉ0 न्यायमूर्ति डी0 वाई0 चंद्रचूड़ का मार्गदर्शन यहां के विद्यार्थियों को प्राप्त होता रहा है। इस अवसर पर उनकी उपस्थिति हम सबको आह्लादित करती है। उच्चतम न्यायालय में जाने के पूर्व इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में मा0 डॉ0 न्यायमूर्ति डी0 वाई0 चंद्रचूड़ का कार्यकाल प्रदेशवासियों तथा न्याय जगत के लिए अविस्मरणीय रहा है। न्याय जगत में विश्वास करने वाला प्रत्येक व्यक्ति इसकी सराहना करता है। विधि का शासन, सुशासन की पहली शर्त है। आज भारत विधि के शासन के लिए जाना जाता है। आमजन तथा देश व दुनिया की धारणा को बदलने के लिए विधि का शासन बड़ी भूमिका का निर्वहन करता है। न्याय संगत व्यवस्था प्रत्येक व्यक्ति को प्रिय होती है। सभी को समय पर न्याय मिले इसके लिए विधि विशेषज्ञ भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विगत 08 वर्षों के उपरांत दीक्षांत समारोह यहां पर आयोजित हो रहा है। विश्वविद्यालय ने इन सभी विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखकर इस तृतीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जब मा0 डॉ0 न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से परिचय पूछने के साथ–साथ उनके वर्तमान कार्यों के बारे में पूछ रहे थे, तो इनमें से बहुत सारे उपाधि धारकों ने बताया कि वह न्यायिक क्षेत्र में अलग–अलग जगह पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। यह इंगित करता है कि विश्वविद्यालय की राह सही व सकारात्मक है। इस पहल के साथ हम सभी को जुड़ना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनमानस आपके पास विश्वास के साथ आता है। पारिवारिक विवाद जैसे अनेक मामलों में लोग परिवार से ज्यादा अधिवक्ता पर विश्वास करते हैं। यह विश्वास आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। सामान्य नागरिक का यह विश्वास बार और बेंच पर हमेशा बना रहना चाहिए। इस पर खरा उतरना सबसे बड़ी चुनौती रही है। बदलते हुए परिवेश और परिस्थितियों में लोगों के तौर तरीके, आवश्यकताएं तथा तकनीक जैसी चीजें व्यक्ति, समाज और व्यवस्था को बदलती हैं। बदलाव की कौन सी राह होनी चाहिए यह हम सब पर निर्भर करता है।

# राष्ट्रीय लोक अदालत में 76 वादों का निस्तारण, 3.85 करोड़ का मुआवजा दिया गया

लखनऊ (आरएनएस)रू उच्च न्यायालय विधिक सेवा उपसमिति के सचिव, मनोज पाण्डेय ने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ में आज आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 76 वादों का निस्तारण सफलतापूर्वक किया गया। इस लोक अदालत का आयोजन न्यायमूर्ति ए. आर. मसूदी, अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा उपसमिति, लखनऊ की अध्यक्षता में हुआ। लोक अदालत में सुलह–समझौते के माध्यम से कुल तीन करोड़ पच्चासी लाख उनतालिस हजार छह सौ दस रुपये और पचास पैसे (रू0 3,85,39,610.50) का मुआवजा प्रदान किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति ए. आर. मसूदी ने कहा कि लोक अदालतें विवादों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान का सशक्त माध्यम हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 14 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com


## सी.एम.एस. शिक्षिका सम्मानित

लखनऊ, 13 जुलाई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ शिक्षिका डा. सुनीता पाण्डेय को टीचिंग–लर्निंग में सृजनात्मकता व नवीनता के उच्चस्तरीय मानक स्थापित करने हेतु 'एजुप्रिन्योरशिप अवार्ड–2024' से सम्मानित किया गया है। अभी हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह

में बोट कम्पनी के सी.ई.ओ. श्री अमन गुप्ता ने डा. सुनीता पाण्डेय को यह प्रतिष्ठित अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। डा. सुनीता पाण्डेय ने वर्तमान दौर में छात्रों की क्षमताओं को समझते हुए शिक्षण पद्धति में नवीनता को अपनाया है और टीचिंग–लर्निंग हेतु सकारात्मक वातावरण बनाने में महती भूमिका निभाई है। श्री खन्ना ने बताया कि यह सम्मान शैक्षिक प्रक्रिया में उत्कृष्टता एवं नवीनता के उनके प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेगा। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस उपलब्धि हेतु डा. सुनीता पाण्डेय को हार्दिक बधाई दी है।सी.एम.एस. शिक्षकों की लगन व कर्तव्यनिष्ठा के बलबूते ही विद्यालय दिन प्रतिदिन नये कीर्तिमान गढ़ रहा है। सी. एम.एस. शिक्षकों ने विद्यालय के 65 वर्षीय शैक्षिक सफर में कई आयाम स्थापित किए हैं जिस पर सिर्फ लखनऊवासियों को ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश व देश को गर्व है। इन्हीं विद्वान शिक्षकों की बदौलत सी.एम.एस. अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक तीनों प्रकार की शिक्षा देकर उन्हें चुस्त एवं संतुलित व्यक्तित्व का धनी, मानव जाति के लिए ईश्वर का उपहार एवं टोटल क्वालिटी पर्सन बनाने के लिए प्रयत्नशील है।

## जनपद स्तरीय गो–संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न।

### गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर पशुओं को उपलब्ध कराई जाए चिकित्सा- मुख्य विकास अधिकारी

श्रावस्ती– (निसं) जनपद स्तरीय गो–संरक्षण एवं अनुश्रवण समिति की बैठक विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी गो आश्रय स्थलों में कीचड़ एवं जल भराव की स्थिति को देखते हुए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन गौ आश्रय स्थलों में खड़ंजा नहीं लगाया गया है, वहां पर खड़ंजा लगाया जाए, साथ नीचे स्थानों पर मिट्टी का भराव किया जाए।

उन्होने कहा कि सभी खण्ड विकास अधिकारी यह सुनिश्चत करें कि सभी गो आश्रय स्थल में भूसे के साथ हरे चारे एवं कन्संट्रेट राशन दिया जाए, जो गो आश्रय स्थल चारागाह से टैग्ड नही है उनके लिए अलग से हरा चारा बोने एवं खरीद कर उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाए तथा गो आश्रय स्थलों में गोवंशों हेतु स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी पशु चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चत करें कि सभी पशुओं का टीकाकरण किया जाए और प्रत्येक दिन गो आश्रय स्थल का निरीक्षण कर पशुओं को चिकित्सा आदि उपलब्ध कराई जाए, कोई भी पशु बीमार न होने पाए, इसका ध्यान रखें। यदि किसी भी पशु की मृत्यु होती है तो उसका उचित निस्तारण किया जाए।

उन्होने समस्त खंड विकास अधिकारी एवं पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि निराश्रित गो आश्रय स्थल में गोवंशों के भरण पोषण की धनराशि एवं मांग पत्र समय से उपलब्ध करायें, ताकि निराश्रित गो आश्रय स्थल एवं सुपुर्दगी में दिये गये गोवंश के भरण पोषण की धनराशि समय से उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 मानव, डी0सी0एन0आर0एल0एम0 राजीव कुमार सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

## एस.एस.बी. ने रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से दिव्यांगजनों को बाँटी ट्राई साईकिल

### दिव्यांगजनों को स्वतंत्र और सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ाने में मिलेगी मदद–जिलाधिकारी।

### प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए समर्थ करना ही उ्देश्य–उप महानिरीक्षक, एस0एस0बी0।

श्रावस्ती, (निसं)

62वीं वाहिनीं एस.एस.बी. मुख्यालय भिनगा में रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से दिव्यांगजनों हेतु ट्राई साईकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं उप–महानिरीक्षक क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी वी. विक्रमण ने दिव्यांगजनों को ट्राई साईकिल का वितरण किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा कि रेडक्रास के माध्यम से दिव्यांगजनों के हितार्थ ट्राई साईकिल वितरित की जा रही है, जो कि एक बहुत ही सराहनीय कार्य है, जो दिव्यांगजनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे हम उन्हें स्वतंत्र और सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ा सकें। दिव्यांग नागरिकों के लिए ट्राई साईकिल न केवल एक परिवहन साधन होती हैं, बल्कि ये उन्हें समाज में समर्थन, सामाजिक संबंध और आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम बढ़ाने में भी मदद करती हैं। इसलिए हम एस.एस.बी. का आभार प्रकट करते है, जिनके द्वारा सीमा सुरक्षा के साथ नागरिक कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से असहाय एवं दिव्यांग नागरिको को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग कर रहे है।

उप महानिरीक्षक ने कहा कि हमारे समाज में सभी को समान अधिकार होते हैं, और हम इस मूल्यवान सिद्धांत को अपनाकर सभी को एक साथ मिलकर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए समर्थ करना ही हमारा उद्देश्य हैं।

इस अवसर पर उप कमान्डेंट निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट सोनू कुमार, निरीक्षक ओमकार, सहायक उप निरीक्षक नरेश कुमार, ग्राम प्रधान हरिहरपुर रानी दिलीप ओझा सहित अन्य जवान एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

## संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत महिला जागरूकता गोष्ठी

बल्दीरायध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हलियापुर में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत महिला जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे डॉक्टर बीनू सिंह चौहान ने इस मौसम में जलभराव की उचित निकासी को आवश्यक बताया। साथ ही इसका डायरिया पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस मौसम में बच्चों को डायरिया भी अधिक होता है। इसके लक्षण है बच्चों को तीन या तीन से अधिक बार पतला मल आना, स्तनपान न करना, बच्चों का सुस्त रहना, बच्चों को कुछ भी खाने और पीने में कठिनाई होना या उल्टी कर देना है। डायरिया की रोकथाम के लिए बताया कि 0 से 6 माह तक के बच्चे को जिंक की आधी गोली मां के दूध के साथ चौदह दिन तक दी जाए एवं शेष बची आधी गोली दोबारा प्रयोग में नहीं लाना है। छ माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को जिंक की एक गोली 14 दिन के लिए दी जाए। घर का पोषक आहार और विटामिन ए की आयु के अनुसार पूरक खुराक दें।भोजन के पहले हाथों की सफाई करें। पीने के लिए साफ पानी का प्रयोग करे।रोटावायरस और खसरा का टीकाकरण कराए। दस्त के प्रत्येक प्रकरण के बाद बच्चे को तुरंत ओआरएस दे, जिंक की गोली दिन में एक बार पूरे 14 दिन तक दे।आराम मिलने पर भी देते रहे। इस अवसर पर नीलम, कंचन, रुचि, कमला देवी, नरेंद्र सिंह, सोनू सिंह, चंद्रदेव सिंह, शारदा प्रसाद तिवारी, रामकुमार वर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में महिलाएं वा पुरुष उपस्थित रहे।

## जनपद की कई सड़को का कायाकल्प करने की हुई तैयारी,पीडब्लूडी विभाग द्वारा प्रपोजल तैयार।

सुल्तानपुर– बहुत जल्द ही जनपद की कई सड़को का कायाकल्प होने जा रहा है, जिसको लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग ने तैयारियां पूर्ण कर प्रपोजल के लिए शाशन को भेज दिया है। इस बात की जानकारी एक भेंटवार्ता के दौरान लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड की जेई चित्रा वर्मा द्वारा के.डी न्यूज को बताई गई। उन्होंने बताया कि जिन सड़को का चौड़ीकरण शुद्धिकरण में प्रपोजल भेजा गया है उनमें टेढ़ई से द्वारिकगंज,टेढ़ई से टांटिया नगर,अमहट से भादर,तीन तो मेजर रोड़ हैं साथ ही कादीपुर विधायक राजेश गौतम के क्षेत्र की सूरापुर से दोस्तपुर सड़क चौड़ीकरण व शुद्धिकरण के भेजा गया है। अनुमति के बाद कार्य की शुरुआत हो जाएगी।

## जिला सुरक्षा संगठन की समाज में है अहम भूमिका– सोमेन बर्मा

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिला सुरक्षा संगठन की कार्यसमिति की एक आवश्यक बैठक आगामी त्यौहारों मोहर्रम, रक्षा बंधन, सावन कांवड़ यात्रा, स्वतंत्रता

दिवस, जन्माष्टमी आदि को देखते हुए की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने अपने उद्बबोधन में कहा कि मुझे इस जनपद में लगभग ढ़ाई वर्ष कार्य करते हो गए। जब भी समाज व जिला प्रशासन को सद्भाव बनाये रखने की जरूरत पड़ी है, तब जिला सुरक्षा संगठन ने अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए अहम भूमिका निभाई है। यह संगठन समाज व प्रशासन के बीच एक सेतु के रूप में काम करता है। इस संगठन को मेरे तरफ से बहुत बहुत शुभकामना है कि ऐसे ही निरन्तर अपने कार्यों से जनमानस में अपनी ख्याति बनाये रखें। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत से हुआ। संगठन के संरक्षक कमल नयन पांडेय ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि हम सभी लोग हमेशा जिले में शांति बनाये रखने के लिये जब भी जरूरत पड़ी है, उसे बनाये रखा है। संगठन अध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह ने मुख्य अतिथि को बताया कि संगठन का गठन आज से लगभग 23 वर्ष पूर्व संगठन के मूल उद्देश्य–सद्भाव, सुरक्षा व समन्वय पर करता चला आ रहा है। इस अवसर पर संगठन की तरफ से मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा जी का सम्मान अंगवस्त्रम व माला पहनाकर किया गया। इस मौके पर नवागन्तुक कोतवाली नगर प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी को भी चुनरी पहना कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव डॉ नैय्यर रजा जैदी व धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष डॉ राजीव श्रीवास्तव ने की। बैठक में मौजूद संगठन के सभी सदस्यों का भी परिचय कराया गया। बैठक में संगठन की नई कार्यसमिति के गठन, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, तहसील स्तर पर संगठन का विस्तार करने, वर्ष 2024 की सदस्यता शुल्क जमा करने, परिचय पत्र के नवीनीकरण किये जाने व दुर्गापूजा से पूर्व संगठन के वार्डों की बैठक कर उन्हें सक्रिय करने पर विचार किया गया। बैठक में विशेष रूप से संयोजक सुंदर लाल टण्डन, संरक्षक आशीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष मो इलियास, जाहिद आब्दी, अरुण जायसवाल, राशिद सिद्दीकी, नरेंद्र सिंह, अजय सिंह, डॉ शशिकांत सिंह, कुलदीप गुप्ता, जुनीर अहमद, याहिया खान, अखिल बिहारी श्रीवास्तव, संतोष यादव, अखिलेश मिश्र, अरुण आर्य, गोकरन पाठक, अशोक गुप्ता, विनोद मिश्र, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

## मिल्कीपुर सर्किल के तीनों थानों पर पेश हुए 47 मामले

### -मौके पर मात्र तीन का हुआ निस्तारण

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर सर्किल के तीनों थानों कुमारगंज, खंडासा और इनायत नगर में थाना समाधान दिवस आयोजित किया गया जिसमें अधिकांश मामले जमीनी विवाद से संबंधित रहे। इस दौरान तीनों थाना क्षेत्र से 47 फरियादियों ने अपनी शिकायतें पेश की जिनमें मात्र तीन ही मामले का तत्काल निस्तारण कराया जा सका। इनायत नगर थाने में आयोजित थाना समाधान दिवस में इनायत नगर थाने के अपराध निरीक्षक दिनेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित थाना समाधान दिवस में कुल 13 फरियादियों ने अपनी शिकायतें पेश की जिसमें एक का भी निस्तारण मौके पर नहीं कराया जा सका। थाना इनायतनगर में आयोजित समाधान दिवस में ग्राम प्रधान मवई खुर्द मालती देवी ने शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया कि गाटा संख्या 672 रक्बा 0.042 नवीन परती भूमि के खाते पर दर्ज है, इसी के पूर्वी किनारे से जा रहे रास्ते को बनवाने में आराजक तत्वों के द्वारा विवाद करने की कोशिश की जाती है। शिकायत मिलते ही अपराध निरीक्षक दिनेश कुमार ने राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर रास्ते का चिन्हांकन करने का निर्देश दिया।अब्बू सराय के पेशकार का पुरवा थाना कैंट के रहने वाले उमाकांत पांडे ने समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि गुलजार पाण्डे का पुरवा में मार्ग निर्माण के कार्य में कुछ लोगों द्वारा बाधा पहुंचाने की शिकायत की,

## जमीनी विवाद को लेकर हुआ हमला

### -तीन दिन बाद भी आरोपियों के विरुद्ध नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

बीकापुर–अयोध्या(आरएनएस)। जमीनी विवाद को लेकर आरोपी भाई की पत्नी उनके साथ आए रिश्तेदार समेत सात– आठ लोग अज्ञात के विरुद्ध प्राण घातक हमला, जबरन दरवाजा तोड़कर घर में घुसकर लाखों रुपए के रखे सामान तोड़ने,घर में रखा हजारों रुपए नगदी लूटने का आरोप लगाते हुए पीड़ित अशोक कुमार पाण्डेय ने तारुन थाने पर तहरीर देकर विधिक कार्रवाई की मांग किया है।घटना के तीन दिन बाद भी पीड़ित का मुकदमा दर्ज नही किया गया।मामला थाना तारुन क्षेत्र के गौरा गांव का है। पीड़ित अशोक कुमार पांडे पुत्र लक्ष्मी कुमार ने संबंधित थाने पर लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया है कि जमीनी व मकान बंटवारे को लेकर भाई रोहित कुमार की पत्नी प्रीति पांडे तथा उनके रिश्तेदार अनुराग दुबे पुत्र शिवानंद निवासी बोरेहवा थाना बाल्दीराय जनपद सुलतानपुर समेत 7–8 लोगों पर योजना बंद तरीके से 10 जुलाई 2024 को देर शाम घर पर पहुंचे और अशब्दों का प्रयोग घर का जबरन दरवाजा तोड़कर घर केअंदर रखें समान एलइडी टीवी,एसी,इडेक्शन

## फर्जी इंटरलाकिंग दिखाकर लाखो रुपए हड़प लिए प्रधान व सेक्रेटरी

बल्दीराय सुल्तानपुर (आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के धनपतगंज विकास खन्ड के पीरोसरैया ग्रामसभा में दो वर्ष पहले ग्रामप्रधान व सेक्रेटरी द्वारा कागजी,फर्जी इंटरलॉकिंग लगाकर, तीन लाख पैंतीस हजार पाँच सौ कर रुपये हड़प कर लिया गया । जिसकी शशपथ शिकायतपत्र, ग्रामसभा निवासी रामदीन पुत्र राम पियारे ने मुख्य विकास अधिकारी को देकर जांच व कार्यवाई की मांग की है। घोटाला विकासखण्ड की ग्रामसभा पीरोसरैया का है। जहां पाँचवा वित्त राज्य आयोग से, वित्तीयवर्ष 2021–2022 में मेंन रोड से, जूनियर हाईस्कूल अंदर तक कागजों में फर्जी इंटरलॉकिंग लगवकर, तीन लाख पैंतीस हजार पाँच सौ चार रुपये का भुगतान करवाकर हड़प लिया गया। जिसकी शिकायत, मुख्य विकास अधिकारी सुल्तानपुर से ग्रामसभा निवासी रामदीन पुत्र राम पियारे ने शपथपत्र सहित किया। जांच आदेश के बाद अब दिनांक 13 जुलाई को इंटरलॉकिंग कार्य शुरू करवाया जा रहा है। जो भ्रष्टाचार के एक बड़े मुद्दे की पोल स्वयं खोल रहा है ।शासन की मंशा को मटियामेट करने में जुटे ग्राम प्रधान से ब्लाक तक जिम्मेदार कागजों में फर्जी कार्ययोजना दिखाकर लाखों का घोटाला सरेआम किये जो कि प्रत्यक्ष है ।अब जब जांच की आंच जोर पकड़ी तो ग्रामप्रधान व ब्लाक के जिम्मेदारों ने आनन फानन में दो वर्ष बाद उस कार्य को आरम्भ कर दिए हैं। देखना यह है कि सम्बंधित विभाग उक्त बड़े फर्जीनामा में कार्यवाई करते हैं या यों ही सरकारी आदेशों व मंशा को धूल चटाते हुए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते रहेंगे।

## जनपदीय कबड्डी छात्र स्कूली प्रतियोगिता आयोजित

सुल्तानपुर(आरएनएस)। आज एमएसवी इंटर कॉलेज के मैदान पर खेली गई उद्घाटन प्रधानाचार्य सच्चिदानंद मिश्रा ने किया प्रतियोगिता में एमजीएस, एम एस वी, बी पी इंटर कॉलेज कुड़वार, सर्वोदय इंटर कॉलेज लंभुआ, आर के इंटर कॉलेज गोसाईगंज, श्री चंद इंटर कॉलेज गोसाईगंज, टायनी टोट्स, ठाकुर यदुनाथ इंटर कॉलेज दानुपट्टी, बेसिक विभाग, सहित सभी वर्गों में 24 टीमों ने प्रतिभाग किया प्रतियोगिता तीन वर्गों में संपन्न हुई। इसमें कुल 8 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें पहले सेमीफाइनल में एमजीएस ने धमोर को 30ऋ13 से हराया दूसरे सेमीफाइनल में आर के इंटर कॉलेज गोसाईगंज ने श्री चंद इंटर कॉलेज गोसाईगंज को 15ऋ9 से हराया।

फाइनल मैच में एमजीएस इंटर कॉलेज ने आर के इंटर कालेज गोसाईगंज को 17ऋ 12 से हराया। एमजीएस की ओर से अंगेश, अनिल पाल, यश राज कनोजिया हसनैन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। आर के इंटर कॉलेज गोसाईगंज से दिव्यांश त्रिपाठी, हर्ष पाठक, राज यादव ने खेल में अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिता को सुरेश यादव, राजेश कुमार कनौजिया ने सुचारू रूप से संपन्न कराया। इस अवसर पर मुन्नेंद्र मिश्रा, मनोज तिवारी अनुपम वर्मा, बम बहादुर यादव, अरविंद सरोज, पंकज, स्वप नील, दिलीप, अंकित, संतोष, कृष्णकांत आदि लोग उपस्थित रहे।

## अभिलेखों में हेराफेरी करके करोड़ों कमाने वाले दो भूमाफिया गिरफ्तार

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सैकड़ो लोगों को गुमराह करके अभिलेखों में हेरा फेरी करके करोड़ों रुपए कमाने वाले भूमाफियाओं पर पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर के द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई है तथा दो भूमाफियाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। गिरफ्तार भूमाफियाओं पर एक–एक दर्जन से ज्यादा अभियोग पंजीकृत हैं। नूर अहमद उर्फ मम्मू पुत्र अकबर अली उम्र करीब 35 वर्ष निवासी पांचोपीरन तस्बा सुलतानपुर थाना कोतवाली नगर व गुलाम हुसैन उर्फ सलमान पुत्र मो0 इजहार उम्र करीब 30 वर्ष निवासी पांचोपीरन कस्बा को करौंदिया पुल के नीचे से गिरफ्तार किया गया।

## घर के पीछे सेंध काटकर गृहस्थी का सामान उठा ले गए चोर

बल्दीराय सुलतानपुर (आरएनएस)। थाना क्षेत्र बल्दीराय के हैधना खुर्द गांव स्थित मकान में बीती रात्रि चोरो ने पीछे की दीवार में सेंध काटकर हजारो का गृहस्थी का सामान पर हाथ साफ कर दिया। हलियापुर कुडेभार मार्ग स्थित ग्राम हैधना खुर्द निवासी सीता राम प्रजापति का मकान है। बीती रात्रि चोर पीछे की दीवार में सेंध काट मकान के अन्दर घुस गए और रखा गृहस्थी का सामान नगदी जेवरात सब उठाले गए। गृह स्वामी ने चोरी की घटना की तहरीर स्थानीय थाने में दी है

## साउथ फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता सुमन तलवार ने लिया रामलला का आशीर्वाद

### -प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व यूपी के सीएम योगी की किया प्रशंसा

अयोध्य(आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में भगवान श्री रामलला की 22 जनवरी को हुई प्राण प्रतिष्ठा के बाद दूसरी बार अयोध्या पहुंचे साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने– माने अभिनेता गब्बर इज बैक फिल्म से बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाने वाले सुमन तलवार ने हनुमंत लाल जी के साथ प्रभु श्रीराम लला का दर्शन पूजन किया। दर्शन के पश्चात पत्रकारो से बात करते हुए हुए उन्होंने अयोध्या में हो रहे विकास कार्यो को लेकर पीएम मोदी व सीएम योगी की मुक्त कंठ से प्रसंसा की। साथ ही उन्होंने देश की राजनीति में बदलाव की बात कही।अभिनेता सुमन ने अपनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि भगवान राम ने इस कार्य को पूरा करने के लिए नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि हम अभिनेता है लेकिन उसके पहले हिन्दू है। हम देश मे एकता अखंडता का माहौल चाहते है लेकिन यह भी नही भूलते की हमारे लिए राष्ट्र प्रथम है। क्योंकि पूरी दुनिया मे भारत ही एक ऐसा देश है जहां हिन्दू रहते है। कोई आपदा विपदा की स्थिति में कोई भी देश हमे शरण नही देगा इसलिए हमें अपने देश की सुरक्षा मजबूत रखनी होगी।उन्होंने राजनीति बदलाव के सवाल पर कहा कि हम राजनीति में बदलाव के पक्षधर है। उनका कहना है कि मंत्रियों के मंत्रालय वितरण में खघस ध्यान रखा जाना चाहिए जो जिस योग्य हो उसे वही मंत्रालय दिया जाय तो परिणाम बेहतर होंगे। क्योंकि कुछ मंत्रालयों के लिए शिक्षा आवश्यक है और कुछ के लिए अनुभव। अगर किसी किसान को कृषि मंत्री बनाया जाय तो वह किसी अन्य की अपेक्षा बेहतर कार्य कर सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमे टीडीपी ने टिकट दिया था लेकिन हमने चुनाव नही लड़ा। वह कहते है कि तिरुपति बाला जी की तरह ही रामलला का स्थान भी उतना ही भव्य और दिव्य होना चाहिए

## सामुदायिक शौचालय का लगातार बह रहा पानी

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। नगर पंचायत खिरौनी सुचित्तागंज में चल रही गुटबाजी का आनंद पंचायत के कर्मी उठा रहे है। बिना भय शनिवार को नदारद नियुक्त कर्मी का नतीजा है कि तहसील के बगल बना सामुदायिक शौचालय की टंकी का पानी बीते 24 घंटे से बहता नजर आ रहा है। बिजली पानी दोनों का दुरुपयोग देख स्थानीय लोगो में भी आक्रोश है। आरोप है कि इसे रोकने के लिए खबर किये जाने के बावजूद नगर पंचायत से कोई झांकने नहीं आया। तहसील के अधिकारियों के नाक के नीचे होने के बाद भी इस सामुदायिक शौचालय प्रबंधन की अनदेखी अब आम लोगों को भारी पड़ रही है। इस सम्बन्ध में ईओ सचिन पटेल ने बताया कि सफाई कर्मी तैनात होने के बावजूद लापरवाही किए जाने की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



# संपादकीय

## देश में फैल रही बदहाली

एनएसएसओ की गैर कंपनी यानी अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की स्थिति के बारे में सर्वे रिपोर्ट आई है। उस रिपोर्ट के मुताबिक 2015–16 से 2022–23 के बीच इस क्षेत्र में 13 राज्यों में रोजगार प्राप्त मजदूरों की संख्या गिरी। भारत के रोजगार की हालत खराब है, लेकिन यह बदहाली सिर्फ औपचारिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। अनौपचारिक क्षेत्र में हालत बदतर है। चूंकि यह तथ्य नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के सर्वेक्षण से सामने आया है और इसलिए सरकार इससे इनकार नहीं कर सकती। जैसाकि भारत सरकार ने सिटीग्रुप रिसर्च की एक अध्ययन रिपोर्ट के मामले में किया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर जीडीपी सात प्रतिशत की दर से भी बढ़ती रहती है, तब भी भारत बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर पाएगा। इसलिए सिटीग्रुप की सलाह है कि भारत सरकार सिर्फ ग्रोथ रेट के भरोसे ना बैठी रहे, बल्कि रोजगार बढ़ाने वाले उपायों पर विशेष और अलग से ध्यान दे। मगर यह रिपोर्ट आने के तुरंत बाद सरकार ने इसका खंडन कर दिया। उसने दावा किया कि 2017–18 से 2021–22 के बीच आठ करोड़ रोजगार पैदा किए गए हैं। बहरहाल, अब एनएसएसओ की गैर कंपनी क्षेत्र में रोजगार के बारे में सर्वे रिपोर्ट आई है।ये रिपोर्टें 18 राज्यों के उन कारोबार से संबंधित हैं, जिनका कंपनी कानून के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया है। यानी ये छोटे कारोबार हैं और अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2015–16 से 2022–23 के बीच इस क्षेत्र में 13 राज्यों में रोजगार प्राप्त मजदूरों की संख्या गिरी। कर्नाटक और तमिलनाडु दो ऐसे राज्य रहे, जहां ऐसे रोजगार में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहां यह गिरावट क्रमशरू 13 लाख और 12 लाख रही। अगर ध्यान दें, तो यह वही अवधि है, जब नोटबंदी, जीएसटी लागू होने और फिर कोरोना महामारी के दौरान अनियोजित लॉकडाउन की सबसे ज्यादा मार अनौपचारिक क्षेत्र पर पड़ी थी। यह बात ध्यान में रखने की है कि अनौपचारिक में मौजूद रोजगार अस्थायी किस्म का होता है, जहां मजदूर कम वेतन और बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के काम करते हैं। अगर ऐसी जगहों पर भी काम के अवसर घटे हैं, तो समझा जा सकता है कि क्यों देश में रोजमर्रा का न्यूनतम उपभोग भी घटता चला गया है। जाहिर है, इससे देश में फैल रही बदहाली को समझने के सूत्र भी मिलते हैं।

## राहुल को प्रादेशिक क्षत्रपों पर से निर्भरता कम करनी होगी

लोकसभा चुनाव, 2024 में कांग्रेस की बढ़ी ताकत का इस्तेमाल क्या राहुल गांधी पार्टी को मजबूत करने और स्वतंत्र व बेलगाम क्षत्रपों को काबू करने के लिए करेंगे? यह लाख टके का सवाल है। हकीकत यह है कि लोकसभा चुनाव, 2024 से पहले तक कांग्रेस के प्रादेशिक क्षत्रप लगभग मनमाना आचरण कर रहे थे। आलाकमान यानी सोनिया और राहुल गांधी के लिए उनको निर्देश देना असंभव सा काम था। क्षत्रप आलाकमान का नाम लेते थे और उनके प्रति सार्वजनिक रूप से सम्मान भी जाहिर करते थे लेकिन करते अपने मन की थे। अगर कभी कांग्रेस आलाकमान को उनके खिलाफ कोई कदम उठाना पड़ा तब या तो कामयाबी नहीं मिली या जिसके खिलाफ कदम उठाया उसने पार्टी छोड़ दी।

कांग्रेस आलाकमान के साथ वही रहा, जिसकी सत्ता को नेहरू गांधी परिवार ने चुनौती नहीं दी। कैप्टेन अमरिंदर सिंह को हटाया या गुलाम नबी आजाद को राज्यसभी नहीं मिली तो वे पार्टी छोड़ गए। असम में तरुण गोगोई को 15 साल तक, दिल्ली में शीला दीक्षित को 15 साल तक, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को 10 साल तक सीएम बनाए रखा गया तो ये सब लोग कांग्रेस के साथ रहे। लेकिन अंत नतीजा यह हुआ कि इन राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई तो एक दशक के बाद भी इन राज्यों में कांग्रेस के लिए सत्ता में वापसी मुश्किल या नामुमिकन दिख रही है।

असल में सोनिया और राहुल के दौर में पिछले ढाई दशक में कांग्रेस का शक्ति संतुलन लगभग पूरी तरह से बदल गया था। राजीव गांधी के समय तक सत्ता का केंद्र दिल्ली होती थी। सोनिया गांधी के कांग्रेस की कमान संभालने के बाद इसकी संरचना में बदलाव आने लगा और एक दशक में यह दिल्ली से शिफ्ट होकर अलग अलग राज्यों में पहुंच गया। आलाकमान या नेहरू गांधी परिवार कांग्रेस की सत्ता का केंद्र तो बना रहा लेकिन उसकी ताकत आभासी रह गई। उसे राज्यों के क्षत्रपों से रोशनी और ताकत दोनों लेनी होती थी।

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर रेड्डी, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मध्य प्रदेश में कमलनाथ, असम में तरुण गोगोई, दिल्ली में शीला दीक्षित, पंजाब में कैप्टेन अमरिंदर सिंह, राजस्थान में अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश में वीरभद्र सिंह से कांग्रेस आलाकमान को थोड़ी थोड़ी शक्ति मिलती थी। ये सब नेहरू गांधी परिवार के नाम की कसमें खाते थे लेकिन उनके कंट्रोल में नहीं थे। इनमें से किसी को हटाने की हैसियत कांग्रेस आलाकमान की नहीं थी। इन क्षत्रपों ने राज्य की राजनीति में अपना एकाधिकार बना लिया था, पार्टी के दूसरे नेताओं की अनदेखी करते थे और पार्टी कमजोर हो रही थी इसके बावजूद सोनिया और राहुल गांधी कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं थे।

कह सकते हैं कि 2014 के बाद से सिर झुका कर किसी क्षत्रप ने कांग्रेस आलाकमान की बात नहीं मानी। जिसको आलाकमान ने आंख दिखाई उसने पार्टी छोड़ दी या पलट कर उससे ज्यादा लाल आंख दिखा दी। आलाकमान ने जिसको बनाए रखा वे मनमानी करते रहे और पार्टी डूबो दी। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से ज्यादातर क्षत्रप 1998 के बाद से सोनिया गांधी द्वारा बनाए गए थे। अब स्थितियां बदली हैं। लगातार दो बार बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस को 99 सीट की संजीवनी मिली है। राहुल गांधी की छवि बेहतर हुई है और दो भारत जोड़ो यात्राओं की वजह से उनके नेतृत्व के प्रति कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों की आस्था बनी है। राहुल गांधी अपनी इस हैसियत का क्या इस्तेमाल करते हैं, इस पर कांग्रेस का भविष्य निर्भर करेगा। अगर वे अपनी निर्विवाद हैसियत का फायदा उठा कर क्षत्रपों को नियंत्रित करते हैं और संगठन को मजबूत बनाते हैं तो कांग्रेस के लिए आगे का रास्ता सुगम हो सकता है।

इसके लिए सबसे पहले राहुल गांधी को प्रादेशिक क्षत्रपों पर से निर्भरता कम करनी होगी। प्रदेश की राजनीति को सीधे संचालित करना होगा, जो कांग्रेस का पुराना मॉडल था। यह काम प्रभारी महासचिवों के जरिए होता था। जब दिल्ली में आलाकमान की ताकत कम हुई थी तो उसके द्वारा नियुक्त किए गए प्रभारियों की भी कोई हैसियत नहीं रह गई थी। प्रभारी राज्यों में जाकर वहां के प्रादेशिक क्षत्रपों के हिसाब से काम करते थे। कई बार तो ऐसा होता था कि प्रादेशिक क्षत्रपों की मर्जी से या उनकी पसंद से प्रभारी नियुक्त होते थे।

# रूस और आस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नई उड़ान

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ–साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ–साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत–सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व–नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है।निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत–रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत–रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है। यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक ध्रुवरीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुध्रुवरीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो ध्रुवरीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी–20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ–व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो ध्रुवरीय विश्व व्यवस्था के बाद एक धुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुध्रुवरीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है। वैसे भी भारत एक बड़े देश के पाले में कभी नहीं रहा। अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात





बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है। भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमेरिका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें। यही वजह है कि राष्ट्रपति पुतिन को मोदी ने शांति का पाठ पढ़ाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। भारत की इस भूमिका के बीच अब अमरीका भी यह कहने में संकोच नहीं कर रहा है कि भारत को यूक्रेन युद्ध रोकने की पहल करनी चाहिए। फिलहाल शांति के पक्षधर अन्य देश भारत के साथ मिलकर रास्ता खोजने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया का रूस और यूक्रेन के बीच संभावित समझौता वार्ता का मंच बनने की इच्छा जाहिर करना यही बताता है। भारत अहिंसा एवं शांति का हिमायती का देश है और मानता है कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। युद्ध केवल बर्बादी और तबाही लेकर ही आता है। रूस व यूक्रेन के बीच जो सीमा विवाद है वह इन देशों के बीच का मामला है और भारत शुरू से ही कहता रहा है कि इस समस्या का हल केवल बातचीत से ही होना चाहिए। नरेंद्र मोदी ने रूस की यात्रा के दौरान भी भारत का यही रुख सामने रखा और स्पष्ट किया कि किसी भी झगड़े को निपटाने का रास्ता केवल वार्तालाप ही हो सकता है। नरेंद्र मोदी ने रूस से आस्ट्रिया पहुंच कर भी इस रुख को और खोला और कहा कि भोले–भाले लोगों की हत्या कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। इजराइल–फिलिस्तीन युद्ध के सन्दर्भ में इस तथ्य को अमेरिका को ही सबसे पहले समझना चाहिए।प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा से क्या चीन की बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं पर असर पडेघ्गा? क्योंकि रूस एवं चीन के बीच बढ़ती मित्रता एवं प्रगाढ़ता समूची दुनिया के लिये एक चिन्ता का सबब है। भले ही अमरीका की ताकत को देखते हुए रूस ने चीन से निकटता बनाई हो, लेकिन भारत से उसकी दोस्ती इन सबसे ऊपर है। फिर भी चीन एवं पाकिस्तान भारत के दुश्मन ही रहे हैं। इन हालातों के बीच मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के भाग्य के लिए नये सूर्य का उदय कही जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की जितनी महत्वपूर्ण यात्रा रूस की रही, उतनी ही महत्वपूर्ण ऑस्ट्रिया की यात्रा भी रही। मोदी ने पाकिस्तान के साथ चीन को भी निशाने पर लेते हुए पुतिन से कहा कि चीन जहां पाकिस्तान के आतंकवाद को सहयोग–समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। अब मोदी की इन बातों का पुतिन पर क्या असर होगा, यह भविष्य के गर्भ में है।जहां तक रूस से मित्रता का सवाल है तो यह भारत का परखा हुआ सच्चा मित्र है और भारत यह दोस्ती कभी नहीं छोड़ सकता। पिछले दो दशकों में हमारे सम्बन्ध अमेरिका से भी मधुर हुए हैं परन्तु हमारी विदेश नीति पूरी तरह स्वतन्त्र है और दुनिया का कोई भी देश इसे प्रभावित नहीं कर सकता। भारत के द्विपक्षीय सम्बन्ध किस देश के साथ कैसे हैं यह केवल भारत ही तय करेगा। अमेरिका हमें रूस–यूक्रेन के बारे में क्या समझायेगा? भारत पर दुनिया का बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत शांति एवं अयुद्ध का हिमायती है। हम तो पहले ही यह कह चुके हैं कि भारत बुद्ध–महावीर–गांधी का देश है और इसकी विदेश नीति भी इनसे प्रेरणा लेकर ही तय होती रही है। बदलते वैश्विक सन्दर्भों के बावजूद भारत आपसी शान्ति, अहिंसा, युद्धमुक्त विश्व–संरचना व सह अस्तित्व पर ही विश्वास रखता है। दुनिया की महाशक्तियों द्वारा भारत को तवज्जो देने के पीछे जिन वजहों को देखा जा रहा है, उनमें व्यापारिक प्रगति के साथ शांति एवं अमन–चौन की दुनिया बनाना भी मुख्य है। निश्चित ही मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के लिये 'सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना' एवं 'परिवर्तनकारी क्षण' साबित होगा।

# 75 साल बाद भी नाटो के सामने वही शत्रु

श्रुति व्यास

रूस ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। जिस समय व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री मोदी से गलबहियां कर रहे थे और दोनों नेता कूटनीतिक ठहाके लगा रहे थे, उसी समय बहुत सारी मिसाइलें यूक्रेन के बच्चों के सबसे बड़े अस्पताल से टकराईं। ओखमाद्यित यूक्रेन का बच्चों का सबसे बड़ा अस्पताल है और कैंसर के इलाज के लिए विख्यात है। वहां बहुत से बच्चे कई महीनों से रह रहे थे। हमले में यह अस्पताल मलबे के ढेर में तब्दील हो गया और 36 लोग मौत के मुंह में समा गए।

कीव का ओखमाद्यित अस्पताल काफी समय से यूक्रेन के सबसे जटिल बीमारियों से जूझते और गंभीर रूप से बीमार बच्चों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। युद्ध के शुरू होने से लेकर अब तक उसके डॉक्टरों ने रूसी बमबारी में घायल होने वाले बच्चों की जान बचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया है और साथ ही पहले से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों की देखभाल भी की है। सोमवार को यह जीवनरक्षक केंद्र तहस नहस कर दिया गया, जमींदोज कर दिया गया। यह बहुत ही बर्बर हमला था। अस्पताल को तब निशाना बनाया गया जब वहां सबसे ज्यादा भीड़भाड़ थी। श्गार्जियन्च में छपी खबर के अनुसार, हमले के समय एक ऑपरेशन थिएटर में डॉक्टर एक बच्चे का ऑपरेशन कर रहे थे। उस थिएटर का नामोनिशान नहीं बचा है। अस्पताल के अंदर की तस्वीरों में खून से सने बच्चे, गिरी हुई छतें और बरबाद हो चुके ऑपरेशन थिएटर नजर आ रहे हैं। कितने लोग मलबे में दबे हुए हैं, यह अभी साफ नहीं है।

फरवरी 2022 में शुरू हुए आक्रमण के बाद से यह यूक्रेन की राजधानी पर किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था।

इस हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। चारों ओर इसकी निंदा की जा रही है और आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। वोल्दोमीर जेलेंस्की ने बदला लेने की कसम खाई है।

नाटो के सामने यह पहली चुनौती है, जिस पर तुरंत ध्यान देकर कार्यवाही करने की आवश्यकता है। रूस के मिसाइल हमले से यह भी साफ हो गया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली कितनी कमजोर है।

इस सप्ताह नाटो के नेता संगठन की 75वीं वर्षगांठ एवं उसके वार्षिक सम्मेलन के लिए वाशिंगटन में एकत्रित होंगे। वे जेन्स स्टोल्टेनबर्ग को विदाई देंगे और यूके के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का स्वागत करेंगे। वे दुबारा वही लड़ाई लडने का संकल्प करेंगे, जिसे लडने के लिए 1949 में इस संगठन का गठन किया गया था– यानी यूरोप में तत्कालीन सोवियत संघ के विस्तारवादी इरादों को थामने की कोशिश। आज 75 साल बाद भी नाटो के सामने वही शत्रु है, वही रूस है और उसकी वही दुष्टता है।हालांकि शत्रु वही है, लेकिन नाटो पहले जैसा नहीं है। 75वीं वर्षगांठ मनाने का उद्देश्य दुनिया, रूस, पुतिन और अन्य संभावित प्रतिद्वंद्वियों को यह अहसास दिलाना था कि यह आत्मविश्वास से भरा, एकताबद्ध गठबंधन है। लेकिन वाशिंगटन में एकत्रित हो रहे नेता अनिश्चितता और दुविधा से घिरे होंगे। श्आखिर कब तक्य यह सवाल उनके दिलोदिमाग पर छाया होगा। आंशिक रूप से यह बाहरी खतरों की वजह से होगा लेकिन मुख्यतरू यह आंतरिक कारणों से होगा। इनमें सबसे प्रमुख कारण होगा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप की वापसी की संभावना।

ट्रंप की नजरों में नाटो श्जर्जस्य हो गया है और वे गठबंधन को छोडने की धमकी दे चुके हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा कि वे ष्रूस को मनमानी करने देंगेष्। डिबेट के बाद हुई रायशुमारियों में ट्रंप के जो बाइडेन से आगे निकल जाने के बाद से गठबंधन के महत्वपूर्ण यूरोपीय सदस्यों में इस बात पर विचार विमर्श प्रारंभ हो गया है कि गठबंधन के लिए ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के मायने क्या होंगे– और क्या वे अमेरिकी हथियारों, धन एवं गुप्तचर सूचनाओं के बिना रूस का मुकाबला कर पाएंगे।

नाटो इन 75 सालों में बहुत बदल गया है। 1949 के 12 के मुकाबले आज, जब महाशक्तियों का टकराव दुबारा प्रारंभ हो गया है, उसके 32 सदस्य हैं। पिछले साल विल्न्यूस में हुए सम्मेलन में नाटो ने शीत युद्ध के बाद पहली बार गठबंधन के देशों की भूमि की रक्षा की विस्तृत योजना को स्वीकृति दी थी। इस वर्ष गठबंधन के 23 राष्ट्र अपनी अपनी जीडीपी का दो प्रतिशत प्रतिरक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे या उससे भी अधिक व्यय करेंगे। इसकी तुलना में सन् 2014 में केवल तीन देश ऐसा कर रहे थे और उसी कारण यह निर्णय किया गया था।लेकिन पश्चिमी देशों में लोकलुभावन राष्ट्रवाद के जोर पकडने के बाद से नाटो पर खतरा मंडराने लगा है। वह पहले से ही तुर्किये के रेचेप तैय्यप अर्दोआन और हंगरी के विक्टर ओरबान जैसे नेताओं से जूझ रहा है, जो फिनलैंड और स्वीडन के गठबंधन में शामिल होने की राह में रोड़े अटका रहे हैं। ऐसे में ट्रंप के दुबारा सत्ता में आने की संभावनाएं बहुत चिंताजनक हैं। हालांकि जो बाइडेन ने जार्ज स्टेपोनोपोलिस को एबीसी के लिए दिए गए एक इंटरव्यू में पिछले सप्ताह कहा कि वे नाटो द्वारा सवाल उठाए जाने का स्वागत करेंगे और फिर जोड़ा ष्मेरी तरह नाटो को एक भला और कौन रख पाएगाष्। उन्होंने कहा, मेरी राय है कि मुझे परखने का एक अच्छा तरीका है कि आप नाटो शिखर बैठक में आएं और देखें और सुनें कि गठबंधन के दूसरे देश (मेरे बारे में) क्या सोचते हैंष्।

सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचने वाले नेताओं ने स्वीकार किया कि नाटो एक ऐसी कसौटी पर कसा जा रहा है जिसका पूर्वानुमान उन्होंने नहीं लगाया थारू क्या ऐसे समय में वे यूक्रेन की सहायता उसी पैमाने पर करना जारी रख पाएंगे, जब गठबंधन के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य पर उनका विश्वास निम्तम स्तर पर है? जब नाटो की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही होगी तब ओखमाद्यित अस्पताल पर हुए हमले में मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़ रही होगी। नाटो के नेताओं को लोक लुभावन वायदों, राष्ट्रवाद और ट्रंप की वापसी की संभावनाओं आदि जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा– एक ऐसे दौर में आत्मविश्वास दर्शाना पड़ेगा जब टकरावों और युद्धों की वजह से हालात बहुत बुरे हैं। नाटो ने अगर अपने को नहीं सुधारा, तो 75वीं वर्षगांठ का जश्न उसका आखिरी जश्न भी हो सकता है।

## आज का राशिफल

मेष राशि आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किये हुये काम का आज सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे। दिक्कतों का तेजी से मुकाबला करने की क्षमता आपको खास पहचान दिलाएगी।

वृष राशि आज का दिन ठीक–ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे तो सफलता जरूर हासिल होंगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच–पड़ताल कर लें।

मिथुन राशि आज किस्मत आपका पूरा साथ देगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी नये काम की शुरूआत करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

कर्क राशि आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है।

सिंह राशि आज का दिन शानदार रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको जरूर फायदा होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं।

कन्या राशि आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे हैं तो फायदा होने वाला है। आज आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें।

तुला राशि आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिए आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस–पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। इस राशि के जो लोग पयर्टन क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

वृश्चिक राशि आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी। नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रमोशन हो सकता है। नये व्यापार में माता–पिता की राय कारगर साबित होने वाली है। स्टूडेंट्स का पढ़ाई में मन लगेगा।

धनु राशि आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर होगी। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी–मजाक होगा। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें, वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जायेगा।

मकर राशि आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जायेगा।

कुंभ राशि आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अचानक धन लाभ होगा, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। सेहत सम्बन्धी समस्याओं से आज आपको छुटकारा मिलेगा।

मीन राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से प्रभावित कर लेंगे। कोई रुका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने वाला है, जिसे सुनकर आपके चेहरे खिल उठेंगे। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। आज कुछ अनुभवी लोगों से आपकी मुलाकात होगी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 14 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com


# अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने तिब्बत से संबंधित विधेयक पर हस्ताक्षर किए

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन बढ़ाने और इस हिमालयी क्षेत्र के दर्जे व शासन से संबंधित विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने संबंधी एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद यह एक कानून बन गया है। वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन बढ़ाने और इस हिमालयी क्षेत्र के दर्जे व शासन से संबंधित विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने संबंधी एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद यह एक कानून बन गया है। चीन ने 'रिजॉल्व तिब्बत एक्ट' का विरोध करते हुए इसे अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बताया था। पिछले साल फरवरी में प्रतिनिधि सभा ने जबकि मई में सीनेट ने इस विधेयक को मंजूरी दी थी। बाइडन ने शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में कहा, आज, मैंने एस. 138, 'तिब्बत–चीन विवाद समाधान को बढ़ावा देने वाला अधिनियम' पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं तिब्बतियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी विशिष्ट भाषाई, सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए संसद के दोनों सदनों की प्रतिबद्धता को साझा करता हूं। बाइडन ने कहा, मेरा प्रशासन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करता रहेगा,

ताकि मतभेदों को दूर किया जा सके और तिब्बत पर बातचीत के जरिए समझौता किया जा सके। चौदहवें दलाई लामा 1959 में तिब्बत से भागकर भारत चले गए थे, जहां उन्होंने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में निर्वासित सरकार स्थापित की। 2002 से 2010 तक दलाई लामा के प्रतिनिधियों और चीनी सरकार के बीच नौ दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। चीन, भारत में रह रहे 89 वर्षीय तिब्बती आध्यात्मिक नेता को एक अलगाववादी मानता है, जो तिब्बत को देश (चीन) के बाकी हिस्सों से अलग करने के लिए काम कर रहा है।

# पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ सात अरब डालर के नए श्रण समझौते पर हस्ताक्षर किए

पाकिस्तान को तीन साल की अवधि वाले इस ऋण पैकेज से जटिल आर्थिक समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी। आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि 2023 स्टैंड–बाय अरेंजमेंट (एसबीए) के तहत हासिल की गई आर्थिक स्थिरता को आगे बढ़ाते हुए आईएमएफ कर्मचारी और पाकिस्तानी अधिकारी एक कर्मचारी स्तरीय समझौते पर पहुंच गए हैं।इस्लामाबाद। नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सात अरब डॉलर के नए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तान को तीन साल की अवधि वाले इस ऋण पैकेज से जटिल आर्थिक समस्याओं से निपटने में मदद मिलेगी। आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि 2023 स्टैंड–बाय अरेंजमेंट (एसबीए) के तहत हासिल की गई आर्थिक स्थिरता को आगे बढ़ाते हुए आईएमएफ कर्मचारी और पाकिस्तानी अधिकारी एक कर्मचारी स्तरीय समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तहत लगभग सात अरब डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा व्यवस्था (ईएफएफ)

पर सहमति बनी है। एसबीए एक छोटी अवधि का ऋण है, जो आईएमएफ भुगतान संकट का सामना कर रहे अपने सदस्य देशों को देता है। वाशिंगटन स्थित ऋणदाता ने आगे कहा कि नए कार्यक्रम का उद्देश्य नकदी की कमी से जूझ रहे देश में व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना और अधिक समावेशी और लचीले विकास को बढ़ावा देना है।

# पाकिस्तान में फिर से आने वाला है इमरान खान का राज ? कोर्ट ने पीटीआई को लेकर क्या नया फैसला दे दिया

मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली 13 सदस्यीय पूर्ण पीठ ने मामले की सुनवाई की। बहुप्रतीक्षित मामले में फैसले को प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि संघीय सरकार के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है।पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि इमरान खान की पार्टी संसद में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 20 से अधिक सीटों के लिए पात्र है, जो जेल में बंद पूर्व प्रधान मंत्री के लिए एक बड़ी कानूनी जीत है, जिन्होंने चुनाव आयोग प्रमुख के इस्तीफे की मांग की थी। खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवार, जिन्होंने अपनी पार्टी से चुनाव चिन्ह छीन लिए जाने के बाद 8 फरवरी को स्वतंत्र

रूप से चुनाव लड़ा और जीता था, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) में शामिल हो गए, जो एक राजनीतिक गठबंधन है। पाकिस्तान में इस्लामी राजनीतिक और बरेलवी धार्मिक पार्टियाँ, सुविधा का गठबंधन बनाने के लिए। एसआईसी ने विधानसभाओं में आरक्षित सीटों में अपना हिस्सा देने से इनकार करने के पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के कदम को बरकरार रखने के पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के फैसले को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली 13 सदस्यीय पूर्ण पीठ ने मामले की सुनवाई की। बहुप्रतीक्षित मामले में फैसले को प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि संघीय सरकार के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ईसा ने मंगलवार को कार्यवाही के बाद घोषणा की थी कि पैनल ने आपसी परामर्श के लिए फैसला सुरक्षित रखने का फैसला किया है, जिसकी घोषणा उन्होंने शुक्रवार को की। आठ न्यायाधीशों के बहुमत ने शीर्ष चुनाव निकाय के आदेशों और पेशावर उच्च न्यायालय के फैसले को पलटकर एसआईसी के पक्ष में फैसला सुनाया। फैसले की घोषणा न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह ने की।फैसले के अनुसार, पाकिस्तान के चुनाव आयोग के 1 मार्च 2024 के आदेश को संविधान की शक्तियों से परे, कानूनी अधिकार के बिना और बिना किसी कानूनी प्रभाव वाला घोषित किया जाता है। अदालत यह घोषित करने के लिए आगे बढ़ी कि चुनाव चिह्न की कमी या इनकार किसी भी तरह से किसी राजनीतिक दल के चुनाव में भाग लेने (चाहे सामान्य हो या द्वारा) और उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है और आयोग इसके अधीन हैष तदनुसार कार्य करना और सभी वैधानिक प्रावधानों को लागू करना एक संवैधानिक कर्तव्य है।

# हमें हल्के में न लिया जाए, अमेरिकी राजदूत ने दी धमकी, एनएसए डोभाल ने सीधा सुरक्षा सलाहकार को घुमाया फोन और फिर...

एमईए के बयान में कहा गया कि उन्होंने शांति और सुरक्षा के लिए वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता दोहराई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ दिनों बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शुक्रवार को अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन से बात की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चिंता के व्यापक मुद्दों और जुलाई 2024 और बाद में वर्ष में होने वाले क्वाड ढांचे के तहत आगामी उच्च स्तरीय कार्यक्रमों पर चर्चा की। इसमें कहा गया है कि एनएसए भारत–अमेरिका संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए, जो साझा मूल्यों और सामान्य रणनीतिक और सुरक्षा हितों पर बने हैं।एमईए के बयान में कहा गया कि उन्होंने शांति और सुरक्षा के लिए वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता दोहराई। उनकी बातचीत पिछले महीने डोभाल के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए सुलिवन की दिल्ली यात्रा के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है, जब उन्होंने पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की थी। 10 जुलाई को पीएम मोदी की समाप्त हुई रूस यात्रा के मद्देनजर, अमेरिकी विदेश विभाग ने लगातार दूसरे दिन, रूस के साथ भारत के संबंधों के बारे में चिंताएं व्यक्त की थीं। यह कहते हुए कि वह भारत को इन चिंताओं को व्यक्त करना जारी रख रहा है। अमेरिकी

राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा था कि श्भारत–अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरे हैं, लेकिन ये इतने गहरे भी नहीं हैं कि इन्हें हल्के में लिया जाए।प्रधानमंत्री की रूस यात्रा ऐसे समय हुई थी जब वाशिंगटन शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा था। मोदी का नया और तीखा सूत्रीकरण उन बातों से कहीं आगे निकल गया जो उन्होंने पुतिन से लगभग दो साल पहले उनकी आखिरी व्यक्तिगत द्विपक्षीय बैठक में कही थीं। सितंबर 2022 में एससीओ शिखर सम्मेलन के इतर, उज्बेकिस्तान के समरकंद में मोदी ने पुतिन से कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है।

# अर्जेंटीना ने हमास को आतंकी समूह घोषित किया, वित्तीय संपत्तियां जब्त करने का आदेश भी दिया

राष्ट्रपति जेवियर माइली अर्जेंटीना को अमेरिका और इजराइल के साथ मजबूती से जोड़ना चाहते हैं। उस दिशा में इसे बहुत हद तक एक सांकेतिक कदम माना जा रहा है। ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना ने शुक्रवार को हमास को आतंकी समूह घोषित किया और इस फलस्तीनी समूह की वित्तीय संपत्तियां जब्त करने का आदेश दिया। राष्ट्रपति जेवियर माइली अर्जेंटीना को अमेरिका और इजराइल के साथ मजबूती से जोड़ना चाहते हैं। उस दिशा में इसे बहुत हद तक एक सांकेतिक कदम माना जा रहा है। माइली के कार्यालय ने पिछले सात अक्टूबर को इजराइल में फलस्तीनी समूह द्वारा किये गये हमले का हवाला देते हुए यह घोषणा की। यह हमला इजराइल के 76 साल के इतिहास में सबसे घातक हमलों में से एक था। बयान में, हमास से ईरान के घनिष्ठ संबंधों का भी उल्लेख किया गया है, जिसेअर्जेंटीना देश में यहूदी स्थलों पर दो घातक आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है।

# निर्वाचक अपने विवेक के आधार पर निर्णय ले सकते हैं बाइडन

बाइडन ने नाटो सम्मेलन से इतर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निर्वाचक डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में किसी दूसरे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने समेत "जो चाहें वह करने के लिए आजाद हैं।"
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनके निर्वाचक राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें उम्मीदवार बनाए रखने या हटाने का निर्णय अपने विवेक के आधार पर ले सकते हैं क्योंकि पार्टी के नियमों के अनुसार वे ऐसा कर सकते हैं। हालांकि, पिछले कुछ उदाहरणों और उम्मीदवार की चयन प्रक्रिया को देखते हुए संभावना है कि अधिकांश निर्वाचक उनकी उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे। बाइडन ने नाटो सम्मेलन से इतर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निर्वाचक डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में किसी दूसरे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने समेत "जो चाहें वह करने के लिए आजाद हैं।"
कुछ ही देर बाद उन्होंने माइक्रोफोन में फुसफुसाते हुए कहा, "ऐसा नहीं होने वाला।" बाइडन की उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस चुनाव में उनका मुकाबला

आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने को रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा।

# नेपाल की राजनीति में हो रहा तांडव! कमल दहल प्रचंड ने संसद में खो दिया विश्वास मत

मालयी राष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता के बीच उनका पांचवां विश्वास मत है। ओली ने शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष नई बहुमत वाली सरकार का नेतृत्व करने का दावा किया।
काठमांडू।रू नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के नेता केपी शर्मा ओली ने फिर से नेपाल के प्रधानमंत्री बनने का दावा किया है, क्योंकि मौजूदा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश संसद में विश्वास मत हारने के बाद पद से हट गए हैं। यह हिमालयी राष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता के बीच उनका पांचवां विश्वास मत है। ओली ने शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष नई बहुमत वाली सरकार का नेतृत्व करने का दावा किया। ओली को 165 सांसदों का समर्थन प्राप्त था, जिसमें उनकी पार्टी के 77 और नेपाली कांग्रेस के 88 सांसद शामिल थे। हालांकि, जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी), जेएसपी–नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, जनमत पार्टी और नागरिक मुक्ति पार्टी समेत अन्य पार्टियां कांग्रेस–यूएमएल गठबंधन सरकार के पक्ष में हैं, लेकिन ओली के दावे में केवल उनकी पार्टी और एनसी का समर्थन दिखाया गया है।
नेपाली कांग्रेस के मुख्य सचेतक रमेश लेखक ने कहा, ष्हमने राष्ट्रपति के समक्ष नई सरकार के लिए दावा पेश किया है। अब यह तय करना उनके ऊपर है कि नियुक्ति कब की जाए।ष ओली के अब नेपाली कांग्रेस के समर्थन से तीसरी बार नेपाली प्रधानमंत्री बनने की उम्मीद है, इससे पहले वे 2015–2016 और 2018–2021 तक इस पद पर रह चुके हैं।नेपाल के प्रतिनिधि सभा में एनसी के पास 89 सीटें हैं, जबकि सीपीएन–यूएमएल के पास 78 हैं। उनकी संयुक्त ताकत 167 है, जो निचले सदन में बहुमत के लिए आवश्यक 138 से कहीं ज़्यादा है। दूसरी ओर, प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन–माओवादी केंद्र के पास सदन में केवल 32 सीटें थीं। एनसी नेता शेर बहादुर देउबा ने सोमवार को दोनों दलों के बीच हुए 7–सूत्री समझौते के अनुसार ओली को अगले प्रधानमंत्री के रूप में समर्थन दिया है। प्रचंड ने विश्वास मत खो दियाश्प्रचंडश ने शुक्रवार को संसद में विश्वास मत खो दिया, जिसकी व्यापक रूप से उम्मीद थी, जिसके कारण उन्हें अपने 19 महीने के कार्यकाल में इस्तीफा देना पड़ा और छब्न्डस् गठबंधन सरकार के लिए रास्ता साफ हुआ। ओली के नेतृत्व वाली पार्टी द्वारा उनकी सरकार से समर्थन वापस लेने और नेपाली कांग्रेस के साथ देर रात गठबंधन समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रचंड ने पांचवें विश्वास मत का आह्वान किया। 75 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में प्रचंड को केवल 63 वोट मिले, जबकि विश्वास मत हासिल करने के लिए उन्हें 138 वोटों की आवश्यकता थी। संसद में दहल के विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ 194 वोट पड़े, क्योंकि कई दलों ने अपने सांसदों को विश्वास प्रस्ताव के खिलाफ खड़े होने के लिए व्हिप जारी किया था।69 वर्षीय नेता दिसंबर 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से एक अस्थिर शासन वाले गठबंधन का नेतृत्व कर रहे थे, जिसमें उनकी पार्टी तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन वह एक नया गठबंधन बनाने में सफल रहे और प्रधानमंत्री बन गए। उन्हें अपनी गठबंधन शक्तियों के भीतर मतभेदों के कारण संसद में चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा। लगातार विश्वास मतों में प्रचंड का समर्थन उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है। प्रचंड की समस्याएँ तब और बढ़ गईं जब नेपाली कांग्रेस और सीपीएन–यूएमएल ने नेपाल में एक नई श्राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकारश बनाने के लिए आधी रात को गठबंधन समझौता किया,

जिसका उद्देश्य प्रचंड को सत्ता से बेदखल करना था।
ओली और नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा ने दोनों दलों के बीच संभावित नए राजनीतिक गठबंधन की जमीन तैयार करने के लिए मुलाकात की, जिसके बाद ओली की सीपीएन–यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के बमुश्किल चार महीने बाद ही उससे अपना नाता तोड़ लिया।

# स्कूल ढहने से 22 छात्रों की मौत

राज्य सरकार ने इस त्रासदी के लिए स्कूल की जर्जर हालत और इसके नदी के किनारे स्थित होने जैसे कारणों को जिम्मेदार ठहराया।

सरकार ने कहा है कि ऐसे सभी स्कूल बंद किए जाए जिनकी हालत खस्ता है।उत्तर–मध्य नाइजीरिया में शुक्रवार को दो मंजिला स्कूल के ढहने से 22 छात्रों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्लैटो राज्य के बूसा बुजी में स्थित 'सेंट्स एकेडमी कॉलेज' की इमारत उस वक्त ढह गई जब बच्चे सुबह पढ़ाई करने के लिए पहुंचे थे। इन बच्चों में अधिकतर की उम्र 15 वर्ष या उसे कम थी।प्लैटो पुलिस के प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने बताया कि इमारत ढहने से मलबे में कुल 154 छात्र फंस गए थे जिनमें से 132 को बाहर निकाल लिया गया और उन्हें विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इस हादसे में 22 छात्रों की मौत हो गई।नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि इमारत ढहने के बाद बचाव और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ–साथ सुरक्षा बलों को भी घटनास्थल पर तत्काल तैनात किया गया।प्लैटो राज्य के सूचना आयुक्त मूसा अशोम्स की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, '' घायलों को अविलंब चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित कराने के लिए सरकार ने अस्पतालों से कहा है कि वे भुगतान की चिंता न करें और मरीजों के विवरण संबंधी कागजात तैयार करने में वक्त बर्बाद नहीं करें बल्कि घायलों का तत्काल उपचार करें।राज्य सरकार ने इस त्रासदी के लिए स्कूल की जर्जर हालत और इसके नदी के किनारे स्थित होने जैसे कारणों को जिम्मेदार ठहराया। सरकार ने कहा है कि ऐसे सभी स्कूल बंद किए जाए जिनकी हालत खस्ता है।

# मुहर्रम के दिन संभावित आतंकी हमलों की चेतावनी, पाकिस्तान में जारी हुआ अलर्ट

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले सोमवार को संघीय सरकार ने मुहर्रम के महीने के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में सशस्त्र बलों की तैनाती को मंजूरी दे दी थी।मुहरमुल हराम के दौरान संभावित आतंकवादी हमले की चेतावनी देते हुए पाकिस्तान के कराची में अतिक्रमण विरोधी पुलिस के लिए एक खतरे की चेतावनी जारी की गई है। कराची के पुलिस उपाधीक्षक तारिक इस्लाम ने अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए और कहा कि हाल के हमलों के मद्देनजर अतिक्रमण विरोधी पुलिस कर्मियों को मुहर्रमुल हराम के दौरान आधिकारिक ड्यूटी पर अकेले जाने के खिलाफ चेतावनी दी गई है। अधिसूचना में आगे चेतावनी दी गई कि मुहर्रम के दौरान कराची में सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाया जा सकता है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे आधिकारिक कार्यों के लिए पुलिस वैन का उपयोग करें और ड्यूटी खत्म करने के बाद घर लौटते समय वर्दी और जूते पहनने से बचें।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 14 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com


# आईसीसी बोर्ड टी20 विश्व कप के अमेरिकी चरण के खर्चों पर चर्चा कर सकता है

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड कोलंबो में 19 जुलाई को होने वाली वार्षिक बैठक के दौरान इस नुकसान पर चर्चा कर सकता है। टी20 विश्व कप की ऑडिटिंग (आय और व्यय का लेखा जोखा) पूरी नहीं हुई है, इसलिए नुकसान का आंकड़ा बताना मुश्किल है क्योंकि दर्शकों के टिकट से प्राप्त राशि की पूरी तरह से गणना की जानी बाकी है।बोर्ड के प्रमुख सदस्यों का हालांकि मानना है कि टूर्नामेंट के अमेरिका चरण में हुआ नुकसान लाखों डॉलर में हो

सकता है। यह पता चला है कि टूर्नामेंट निदेशक क्रिस टेटली ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार इंग्लैंड के 49 वर्षीय खेल प्रशासक ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही इस्तीफा देने का मन बना लिया था।आईसीसी बोर्ड के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई–भाषा' को बताया, ''कई सदस्य टेटली के अमेरिका चरण का इससे कोई लेना–देना है।'' उन्होंने कहा, ''कम से कम तीन आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट और सभी सहयोगी देशों को टी20 अंतरराष्ट्रीय का दर्जा मिलने के कारण, प्रबंधन का काम निरंतर चल रहा है। ऐसा माना जाता है कि टेटली ने कुछ समय पहले ही अपना पद छोड़ने का फैसला किया के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया था, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि टी20 विश्व कप था।''जिन लोगों ने इस आयोजन के संचालन के लिए करीब से काम किया है, उनका मानना है कि आईसीसी वास्तव में टिकटों की बिक्री के माध्यम से अच्छी कमाई करेगी। जिस बात ने आईसीसी के प्रभावशाली सदस्यों को नाराज किया है, वह इस प्रमुख आयोजन के लिए न्यूयॉर्क शहर को एक मेजबान के तौर पर चुनना है। नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड की काफी आलोचना हुई थी और इस स्थिति से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था। उन्होंने कहा, ''यह आयोजन अमेरिका में होना था और न्यूयॉर्क के अलावा अन्य शहर भी थे जहां मैचों का आयोजन किया जा सकता था। इस पर विचार क्यों नहीं किया गया?'' उन्होंने सवाल उठाया, '' पिच के परीक्षण के लिए कोई अभ्यास मैच क्यों नहीं खेला गया। यह पिच निश्चित रूप से शीर्ष स्तर के क्रिकेट के लिए अनुपयुक्त था।

# बाबर आजम की जगह ये खिलाड़ी कप्तान बनने के बड़े दावेदार, सरफराज अहमद ने बताया नाम

बाबर आजम की कप्तान वाली टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में और वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाई थी। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी खुश नहीं हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान कहा था कि पाकिस्तान टीम में मेजर सर्जरी की जरूरत है। इस कड़ी में चयनकर्ताओं की समिति से वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक की छुट्टी कर दी गई।आईसीसी टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। बाबर आजम की कप्तान वाली टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में और वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाई थी। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी खुश नहीं हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दौरान कहा था कि पाकिस्तान टीम में मेजर सर्जरी की जरूरत है। इस कड़ी में चयनकर्ताओं की समिति से वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक की छुट्टी कर दी गई। इस पर पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने भी बयान दिया है और बताया है कि उनका रिप्लेसमेंट कौन हो सकता है। सरफराज अहमद ने वनक्रिकेट से बात करते हुए कहा कि, अगर हम सिस्टम को सही रास्ते पर लाना चाहते हैं तो बड़ी सर्जरी की जरूरत है। तीन सदस्यीय चयन समिति होनी चाहिए। वहाब और अब्दुल रज्जाक को बर्खास्त करना ही काफी नहीं होगा। असद शफीक और महोम्मद यूसुफ भी ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं।

सरफराज ने बाबर आजम के कप्तान के तौर पर रिप्लेसमेंट को लेकर कहा कि मोहम्मद रिजवान कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, क्योंकि उनके अंदर लीडरशिप की क्वालिटी है। वे डोमेस्टिक क्रिकेट में भी कप्तानी कर रहे हैं। सरफराज अहमद ने कहा कि, रिजवान ने केपीके (खैबर पख्तूनख्वा) को पिछले कुछ समय से भी घरेलू टूर्नामेंटों में जीत दिलाने में मदद करके अपनी कप्तानी की योग्यता साबिक की है, जबकि मुल्तान सुल्तान के कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन पिछले कुछ वर्षों में लगातार अच्छा रहा है। वह इस पद के लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। बाबर आजम का आत्मविश्वास कम है और उन्हें इस पद के लिए नहीं चुना जाना चाहिए।

# लगता था मैं उसे हर गेंद पर...एंडरसन ने विराट कोहली को लेकर कही बड़ी बात

कोहली ने पहली बार इंग्लैंड का दौरा किया था तब एंडरसन ने उन्हें काफी परेशान किया था। इसके बाद जब कोहली ने वापसी की और जब 2018 में वह इंग्लैंड गए तो एंडरसन को उन्होंने काफी परेशान कर दिया। एंडरसन एक भी बार कोहली को आउट नहीं कर पाए। इन दोनों की प्रतिद्वंद्विता का लुत्फ पूरा क्रिकेट जगत लेता था। एक स्विंग का बादशाह तो एक रन चेजर।

हाल में रिटायर हुए इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला। वहीं क्रिकेट की दुनिया में एंडरसन का नाम एक महान गेंदबाज के तौर पर शामिल है। एंडरसन ने संन्यास के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ अपनी राइवलरी को लेकर अहम बात कही। साल 2014 में जब

कोहली ने पहली बार इंग्लैंड का दौरा किया था तब एंडरसन ने उन्हें काफी परेशान किया था। इसके बाद जब कोहली ने वापसी की और जब 2018 में वह इंग्लैंड गए तो एंडरसन को उन्होंने काफी परेशान कर दिया। एंडरसन एक भी बार कोहली को आउट नहीं कर पाए। इन दोनों की प्रतिद्वंद्विता का लुत्फ पूरा क्रिकेट जगत लेता था। एक स्विंग का बादशाह तो एक रन चेजर।

एंडरसन ने क्या कहा?लॉर्ड्स में अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलने के बाद एंडरसन ने उनकी और कोहली के बीच की प्रतिस्पर्धा पर भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आप काफी उतार–चढ़ाव देखते हैं। कुछ सीरीजों में आप शानदार महसूस करते हैं और कुछ में नहीं, बल्लेबाज आपसे बेहतर कर जाता है। विराट कोहली जब शुरुआत में आए थे तो मुझे लगता था कि मैं उन्हें हर

बॉल पर आउट कर सकता हूं। लेकिन हाल ही में मुझे लगा कि मैं उन्हें आउट नहीं कर सकता। आप काफी छोटा महसूस करते हो। कोहली और एंडरसन पहली बार साल 2014 में आमने–सामने हुए थे। इस दौरान 10 पारियों में एंडरसन ने पांच बार कोहली को अपना शिकार बनाया। 2016 में जब इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई तो कोहली ने एंडरसन को खूब छकाया। 2018 में टीम इंडिया ने फिर इंग्लैंड का दौरा किया और इस बार सभी को इंतजार था कि कोहली किस तरह से एंडरसन का सामना करते हैं। कोहली ने इस बार डटकर उनका सामना किया।

एंडरसन इस बार कोहली को एक भी बार आउट नहीं कर पाए और कोहली के बल्ले से इस दौरे पर 700 से ज्यादा रन निकले। तीन साल बाद 2021 में एंडरसन ने कोहली को इंग्लैंड में दो बार आउट किया।

# पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ को कैंसर, कपिल देव ने डोनेट की अपनी पेंशन

अंशुमन गायकवाड़ वर्तमान समय में कैंसर से जूझ रहे हैं। कैंसर की जंग में अंशुमन के पास पैसों की तंगी है। कैंसर का इलाज काफी महंगा होता है और पूर्व भारतीय कोच के पास इतने पैसे नहीं हैं। लिहाजा पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज कपिल देव समेत अन्य पूर्व भारतीय खिलाड़ी अंशुमन की मदद केलिए आगे आए हैं।पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ वर्तमान समय में कैंसर से जूझ रहे हैं। कैंसर की जंग में

अंशुमन के पास पैसों की तंगी है। कैंसर का इलाज काफी महंगा होता है और पूर्व भारतीय कोच के पास इतने पैसे नहीं हैं। लिहाजा पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज कपिल देव समेत अन्य पूर्व भारतीय खिलाड़ी अंशुमन की मदद केलिए आगे आए हैं। महान भारतीय क्रिकेटर कपिल देव ने अपनी पेंशन अंशुमन गायकवाड़ के इलाज में दे दी है। कपिल देव के अलावा संदीप पाटिल, मोहिंदर अमरनाथ, दिलीप वेंगसरकर, मदन लाल, रवि शास्त्री और कीर्ति आजाद अशुंमन गायकवाड़ के लिए पैसे जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। कपिल देव का कहना है कि बीसीसीआी को पूर्व कोच अंशुमन के इलाज में मदद करनी चाहिए। अंशुमन ने अपने समय में खतरनाक तेज गेंदबाजों का सामना करते हुए खुद पर कई गेंदों के वार झेले हैं। अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड को उनकी मदद करनी चाहिए।

# झूलन गोस्वामी को महिला सीपीएल में मिली बड़ी जिम्मेदारी, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बनाया मेंटार

अब वेस्टइंडीज भी अपने यहां महिला टी20 क्रिकेट लीग शुरू कर चुका है। अगले महीने की 21 तारीख से विमंस कैरिबियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन की शुरुआत होगी। ये लीग 29 अगस्त तक चलेगी। इस लीग में भारत महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी नजर आएंगी। वह एक टीम की मेंटॉर के तौर पर इस लीग में दिखाई देंगी।ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद अब वेस्टइंडीज भी अपने यहां महिला टी20 क्रिकेट लीग शुरू कर चुका है। अगले महीने की 21 तारीख से विमंस कैरिबियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन की शुरुआत होगी। ये लीग 29 अगस्त तक चलेगी। इस लीग में भारत महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी नजर आएंगी। वह एक टीम की मेंटॉर के तौर पर इस लीग में दिखाई देंगी। इस लीग में भारत की कई महिला खिलाड़ी भी खेलेंगी।

इस लीग में अभी सिर्फ तीन ही टीमें हैं जिसमें से दो टीमें आईपीएल फ्रेंचाइजियों की टीमें ही हैं। बारबाडोस रॉयल्स विमंस, गुयाना अमेजन वॉरियर्स विमंस और त्रिनबागो नाइट राइडर्स विमंस नाम की तीन टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। झूलन इसस लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की मेंटॉर बनेंगी। झूलन भारतीय घरेलू क्रिकेट में भी बंगाल की महिला टीम की मेंटॉर रह चुकी हैं। वह विमंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की मेंटॉर और गेंदबाजी कोच हैं। उनके साथ इस टीम में जेमिमा रोड्रिग्स, शिखा पांडे भी हैं। गोस्वामी ने इसे लेकर कहा कि, इतनी शानदार फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। नाइट राइडर्स ने भारत में अच्छा किया है और विमंस कैरिबियन प्रीमियर लीग में इस टीम के साथ जुड़ना सम्मान की बात है।

## सेमीफाइनल में युवराज सिंह ने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की कर दी कुटाई, 9 गेंदों में बना डाले 46 रन

युवराज ने इस मैच में 28 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली। इससमें से 46 रन तो युवराज ने महज 9 ही गेंदों में बना लिए। युवराज ने इस मैच में पांच छक्के मारे। यानी 30 रन छक्कों से आ गए। वहीं चार गेंदों पर उन्होंने चौके लगाए जिसका मतलब है कि 16 रन उन्होंने महज चौके से बटोरे। 9 गेंदों पर उनके बल्ले से निकले कुल 46 रन। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 210.71 का रहा। युवराज सिंह को भारत के महान ऑलराउंडर्स में गिना जाता है। युवराज अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते थे, वहीं एक बार उन्होंने साबित कर दिया कि उनके जैसा बल्लेबाज बन पाना मुश्किल है। भारत ने 2007 में टी20 वर्ल्ड कप और साल 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इन दोनों ही टूर्नामेंट में युवराज सिंह को योगदान बेहद अहम था। युवराज ने अपने बल्ले से जो पारियां खेलीं थी उनकी याद आज भी हर किसी के जहन में है। युवराज को संन्यास लिए कई समय हो गया लेकिन उनकी बल्लेबाजी में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया है। दरअसल, युवराज सिंह इन दिनों वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेल रहे हैं। युवराज इंडिया चौंपियंस की कप्तानी कर रहे हैं और अपनी कप्तानी में वह टीम को फाइनल में ले गए हैं। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने ऐसी ताबड़तोड़ पारी खेली कि देखने वालों को विंटेज युवराज याद आ गए। 9 गेंदों में मचाया कोहरामबता दें कि, युवराज ने इस मैच में 28 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली। इससमें से 46 रन तो युवराज ने महज 9 ही गेंदों में बना लिए। युवराज ने इस मैच में पांच छक्के मारे। यानी 30 रन छक्कों से आ गए। वहीं चार गेंदों पर उन्होंने चौके लगाए जिसका मतलब है

# भारी कंबल को वाशिंग मशीन में धोना सही होता है ? कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलती

घर में रखे कंबलों को हाथ से धोना थोड़ा मुश्किल हो जाता है. पानी में डालने के बाद कंबल इतने भारी हो कि इंसान इसे सही ढंग से धो ही नहीं पता है. ऐसे में अधिकतर लोग कंबल ध ोने के लिए वाशिंग मशीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं वाशिंग मशीन में कंबल को धोना सही होता है या नहीं? अगर आप भी वाशिंग मशीन में कंबल धोते हैं, तो यह खबर आपके लिए है. आज हम आपको बताएंगे कि ऐसा करना सही हो सकता है या नहीं.

डैमेज हो सकती है वाशिंग मशीन

अगर आप भी कंबल को वॉशिंग मशीन में धोने जा रहे है, तो सबसे पहले आपको एक बात का ध्यान रखना होगा. जब भी आप कंबल को वॉशिंग मशीन में डालें उससे पहले उसे पर लगा एक लेबल जरूर चेक करें. अगर लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार इसमें लिखा है, कि आप इसे केवल हाथ से धोएं, तो फिर आपको उस कंबल को वॉशिंग मशीन में नहीं धोना चाहिए.

अगर लेबल पर लिखा है कि आपको इस कंबल को वॉशिंग मशीन में नहीं धोना है. लेकिन फिर भी आप ऐसी गलती करते हैं, तो कंबल के रुए निकाल सकते हैं और कंबल के साथ–साथ वाशिंग मशीन भी डैमेज हो सकती है.

इस्तेमाल करें कम वजन वाला कंबलकंबल धोते वक्त आपको उसके वजन का अंदाजा लगाना होगा. अगर कंबल को पानी डालने के बाद 7, 8 किलो से ज्यादा हो जाता है, तो आपको इसे वाशिंग मशीन में धोने से बचना चाहिए. क्योंकि मशीन ज्यादा वेट नहीं ले पाती है और इससे वह जल्द खराब होने लगती है. अगर आपकी मशीन कंपनी वाली है और कम वजन वाला कंबल धो देती है, तो आपको इसे ध ोने के बाद धूप में सुखाना चाहिए. कुछ लोग कंबल को वॉशिंग मशीन में सुखा देते हैं. इससे ड्रायर खराब हो सकता है.

मशीन को पानी से ज्यादा न भरें

जब भी आप कम वजन वाला कंबल वाशिंग मशीन में धोए, तो ध्यान रहे कि मशीन को पानी से ज्यादा नहीं भरना है. अगर आप मशीन को ज्यादा पानी से भर देते हैं, तो मशीन के डैमेज होने की संभावना बढ़ जाती है. कंबल धोते वक्त अगर आपके मन में यह सवाल रहता है कि इससे कहीं कंबल के रुए या फिर कंबल खराब ना हो जाए, इसलिए आप कंपनी का वाशिंग मशीन यूज करें और मशीन चालू करने से पहले आपकी वाशिंग मशीन की जेंटल सेटिंग कर सकते हैं.।

# बार–बार सर्दी जुकाम सिर्फ इम्युनिटी कमजोर होने के लक्षण नहीं बल्कि इन बीमारियों के हो सकते हैं संकेत

सर्दी–जुकाम एक आम बीमारी है जो पूरे साल बदलते मौसम जैसे बरसात. ठंड, या गर्मी के मौसम में हमें परेशान करती है. लेकिन क्या आप जानते हैं बार–बार सर्दी जुकाम होने सिर्फ कमजोर इम्युनिटी के लक्षण नहीं बल्कि गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं. अगर आपको भी लगातार सर्दी–जुकाम की परेशानी रहती है.

सर्दी–जुकाम के साथ थकान इस बीमारी के हैं लक्षण

सर्दी–जुकाम के साथ आपको थकान होती है, बुखार रहता है साथ ही सांस लेने में तकलीफ होती है. तो यह किसी गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत हो सकते हैं. इस आर्टिकल में हम विस्तार से जानेंगे कि बार–बार सर्दी जुकाम के पीछे कौन सी गंभीर बीमारियां हो सकती है. साथ ही इनके लक्षण और बचाव के बारे में चर्चा करेंगे. एलजीरू ंबार–बार नाक बहना, छींक आना, आंखों से पानी निकलना और खांसी जैसे लक्षण इन बीमारियों के संकेत हो सकते हैं. एलर्जी धूल, पराग, पालतू जानवरों के बाल, या कुछ फूड्स के कारण भी एलर्जी हो सकती है. अस्थमा अस्थमा सांस से संबंधित बीमारी है जो सांस लेने वाली नली में सूजन और सिकुड़न का

कारण बनती है. इसके शुरुआती लक्षण होते हैं सांस लेने में दिक्कत, खांसी, सीने में जकड़न और घरघराहट शामिल है. बार–बार सर्दी–जुकाम अस्थमा को भी ट्रिगर कर सकती है.

इम्युनिटी कमजोररू अगर आपकी इम्युनिटी कमजोर है तो बार–बार कोल्ड कफ की परेशानी होने लगती है. इसमें सर्दी–जुकाम भी शामिल है. कमजोर इम्युनिटी स्ट्रेस, खराब पोषण और दवाओं के कारण होती है.क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसऑर्डररू क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसऑर्डर फेफड़ों से संबंधित बीमारी है. जो धीरे–धीरे रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट में इंफेक्शन हो सकती है. इसके लक्षणों में शामिल है सांस में तकलीफ, खांसी, बलगम का बढ़ना और बार–बार सीने में इंफेक्शन शामिल है.

टीबीरू टीबी एक गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन वाली बीमारी है, इसके शुरुआती लक्षण ऐसे होते हैं कि हफ्ते भर में खांसी, बलगम में खून आना, बुखार, रात में पसीना आना और थकान शामिल है.

सर्दी–खांसी के उपायरू इसके लिए सबसे पहले पौष्टिक तत्व से भरपूर डाइट लें, रेगुलर एक्सरसाइज करें. नींद पूरी लें और स्ट्रेस कम लें. बचाव करने का तरीका एलर्जी से बचें – अपने हाथ–पैर को धोएं और साफ–सफाई का खास ध्यान रखें.

# प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी का रिकार्ड तोड़ा कलेक्शन, वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब में ली एंट्री!

कल्कि 2898 एडी का जलवा बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है. फिल्म हर रोज ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली प्रभास स्टारर इस साई–फाई एक्श फिल्म ने ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में जमकर कमाई की है. वहीं अब 15 दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है. इसके साथ ही कल्कि 2898 एडी ने दो ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.ओटीटी स्ट्रीम अपडेट्स ने कल्कि 2898 एडी का एक पोस्टर शेयर किया है जिसमें प्रभास और फिल्म के 1000 करोड़ में एंट्री होने का पता चल रहा है. वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ क्लब का हिस्सा बनने वाली कल्कि 2898 एडी 7वीं भारतीय फिल्म बन गई है. इससे पहले दंगल, बाहुबली 2, आरआरआर, केजीएफ चौप्टर 2, जवान और पठान इस लिस्ट में शामिल हैं.कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ क्लब में एंट्री लेकर दो ब्लॉकबस्टर फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. इस लिस्ट में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल भी शामिल है. एक्शन–थ्रिलर फिल्म एनिमल पिछले साल रिलीज हुई थी जिसने वर्ल्डवाइड 915 करोड़ रुपए कमाए थे. वहीं प्रभास स्टारर ने सलमान खान की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म बजरंगी भाईजान को भी पछाड़ दिया है. साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म ने दुनिया भर में 922.03 करोड़ रुपए कमाए थे.नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी फिल्म कल्कि 2898 एडी में प्रभास ने भैरव के रोल से सबका दिल जीत लिया है. वहीं अमिताभ बच्चन अश्वत्थामा के रोल से छा गए हैं सुप्रीम यास्किन

के रोल में कमल हासन ने भी कमाल की परफॉर्मेंस दी है. वहीं दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और अन्ना बेन ने भी अहम भूमिका निभाई है.

# बाक्स आफिस पर कल्कि 2898 एडी की आंधी में भी किल की कमाई जारी

लक्ष्य लालवानी ने फिल्म किल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर एक्टर डेब्यू किया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से सराहना मिली है। 5 जुलाई को फिल्म किल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली। यही वजह है कि कल्कि की आंधी में भी यह सिनेमाघरों में डटी हुई है और टिकट खिड़की पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है।1 करोड़ 25 लाख रुपये से इसने अपना खाता खोला था और रिलीज के 7वें दिन फिल्म ने 1 करोड़ 15 लाख रुपये की कमाई की। इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर यह 11 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

जबकि वर्ल्डवाइड कमाई 20 करोड़ तक जा पहुंची है. हालांकि फिल्म का बजट 10 से 20 करोड़ के बीच बताया जा रहा है, जिसके चलते फिल्म ने केवल 7 दिनों में यह कमाई हासिल कर ली है. जबकि पहले वीकेंड कितना कमाती है इस पर लोगों का ध्यान जरुर जाने वाला है. किल के प्रदर्शन पर कल्कि 2898 एडी का असर देखने को मिल रहा है। कल्कि अब भी कहीं ना कहीं हिंदी दर्शकों के लिए पहली पसंद बनी हुई है। इसके चलते किल की कमाई प्रभावित हो रही है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी किल से लक्ष्य लालवानी ने बॉलीवुड में कदम रखा है, जबकि राघव जुयाल एबीसीडी जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं। हालांकि इस फिल्म में वह विलेन के किरदार में ध्यान खींच रहे हैं।फिल्म में लक्ष्य से कहीं ज्यादा राघव की तारीफ हो रही है। उनकी खलनायकी पर्दे पर छा गई है।इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। किल के निर्माता करण जौहर हैं। उन्होंने गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह फिल्म बनाई है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। यही नहीं ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज जॉन विक के निर्देशक ने

किल की रिलीज से पहले ही इसके हॉलीवुड रीमेक का ऐलान कर दिया था। अब दो नई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे दी हैं, जिसमें एक अक्षय कुमार की सरफीरा और दूसरी कमल हासन की हिंदुस्तानी 2 है. अब देखना ये है कि इन फिल्मों से किल कितना प्रभावित होता है।

# प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बना मिर्जापुर 3

मिर्जापुर सीजन 3 पांच जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुई। वहीं, अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है। यह अपने लॉन्च सप्ताहांत में स्ट्रीमिंग सेवा के लिए भारत में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु जैसे कई कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहरा रहे हैं। सीरीज की लोकप्रियता से साबित होता है कि यह दर्शकों को कितनी पसंद आ रही है। इतना ही नहीं इसके चौथे भाग पर भी मुहर लग गया है।मिर्जापुर सीजन 3 अमेजन प्राइम वीडियो का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो बन गया है। इंस्टाग्राम पर, स्ट्रीमर के आधिकारिक अकाउंट ने घोषणा की, रिकॉर्ड तोड़ना तो अपना यूएसपी है। मिर्जापुर सीजन 3 आधिकारिक तौर पर लॉन्च सप्ताहांत पर भारत में प्राइम वीडियो पर अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला शो है। प्राइम पर इसे अभी देखें।मिर्जापुर के तीसरे सीजन को लॉन्च सप्ताहांत में 180 से अधिक देशों और भारत के 98 प्रतिशत पिन कोड पर दर्शकों ने देखा। क्राइम ड्रामा ने लॉन्च सप्ताहांत में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर के 85 से अधिक देशों में शीर्ष 10 ट्रेंडिंग सूची में जगह बनाई। तीसरे सीजन ने पिछले सीजन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मिर्जापुर सीजन 3 का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है।इसी बीच मिर्जापुर फ्रेंचाइजी के प्रशंसकों को निर्माताओं ने एक और बड़ा तोहफा दिया है। सीजन 3 की सफलता के बाद अमेजन प्राइम वीडियो ने कहा कि शो का सीजन 4 आधिकारिक तौर पर विकास में है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के निर्माता रितेश सिधवानी ने एक बयान में कहा, मैं दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं, जिन्होंने हमें हर सीजन के साथ ताकत बढ़ाने में मदद की है।रितेश सिधवानी ने आगे कहा, यह पहले सीजन से ही उनका निरंतर प्यार और समर्थन है, जिसने हमारे शो को वैश्विक सनसनी बना दिया है। यह ऐतिहासिक सफलता हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता का परिणाम है, जिन्होंने इस सीजन को पर्दे पर जीवंत करने के

लिए काफी मेहनत की। जैसे ही हम एक और रोमांचक सीजन की शुरुआत कर रहे हैं, हम अपने वफादार दर्शकों के लिए और भी अधिक रोमांचक और आकर्षक कंटेंट लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# गुड बैड अग्ली का नया पोस्टर जारी, धधकती बंदूकों के बीच राउडी अंदाज में दिखे अजित

साउथ सुपरस्टार अजित इन दिनों अपनी फिल्म गुड बैड अग्ली को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अभिनेता पहले ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। हाल ही में फिल्म से अजित का पहला लुक सामने आया था, जिसमें वे माफिया डॉन के किरदार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म का नया पोस्टर जारी हो चुका है, जिसमें अजित का नया अवतार देखने को मिला।

गुड बैड अग्ली से अजित कुमार का दूसरा लुक पोस्टर अब सामने आ गया है। कैदी की पोशाक में अजित पृष्ठभूमि में धधकती बंदूकों के बीच खड़े हैं। फिल्म का पहला लुक मई में जारी किया गया था। 2023 में थुनिवु के बाद अजित कुमार अगली बार गुड बैड अग्ली में नजर आएंगे। साउथ स्टार अपने प्रचारक सुरेश चंद्रा द्वारा साझा किए गए दूसरे लुक पोस्टर में शानदार दिख रहे हैं। पोस्टर पर गॉड ब्लेस यू मामा लिखा हुआ था।

इसे साझा करते हुए उन्होंने लिखा, गुड बैड अग्ली का दूसरा लुक। भगवान आपका भला करे मामा। गुड बैड अग्ली सिनेमाघरों में पोंगल 2025। गुड बैड अग्ली के नए पोस्टर में अजित जेल के कैदी के रूप में नजर आ रहे हैं, उनके कपड़ों पर कैदी नंबर 63 का टैग है। वहीं फर्स्ट लुक पोस्टर में अजित कुमार रंगीन शर्ट पहने हुए नजर आ रहे थे। उनके हाथ पर टैटू बना हुआ था और उनके सामने बंदूकें रखी हुई थीं।रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग–अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार भी निभा सकते हैं। वहीं उनके एक किरदार काले बाल वाले युवा का होगा। कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे। हालांकि, आधिकारिक जानकारियों का इंतजार बाकी है।वहीं, बात करें गुड बैड अग्ली की तो यह एक को एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन अधिक रविचंद्रन करेंगे। फिल्म का संगीत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद द्वारा तैयार किया जाएगा। सिनेमैटोग्राफी

अबिनंदन रामानुजम करेंगे और संपादन विजय वेलुकुट्टी द्वारा किया जाएगा। फिल्म का निर्माण नवीन ने मैत्री मूवी के बैनर तले किया है। फिल्म पोंगल 2025 के दौरान रिलीज होने वाली है।

# स्लाइस आफ लाइफ कामेडी सीरीज लाइफ हिल गई में नजर आएंगे कुशा कपिला और दिव्येंदु

प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित स्लाइस ऑफ लाइफ कॉमेडी सीरीज लाइफ हिल गई में कुशा कपिला और दिव्येंदु नजर आएंगे।अपकमिंग सीरीज में कुशा को कल्कि और दिव्येंदु को देव के किरदार में दिखाया गया है। उनके साथ इसमें विनय पाठक, मुक्ति मोहन और अन्य लोग भी शामिल हैं।दिव्येंदु ने कहा कि वह लाइफ हिल गई के साथ अपनी कॉमेडी से दर्शकों को एक और सरप्राइज देना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब आप लाइफ हिल गई देखेंगे तो आपको अपने भाई–बहनों के साथ झगड़े, प्यार और नफरत का रिश्ता और भाई–बहनों के बीच होने वाली लड़ाई की याद आएगी। हमने इसकी शूटिंग का भरपूर आनंद लिया और मुझे यकीन है कि स्क्रीन पर भी वैसा ही होगा और हम आप सभी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।कुशा ने अपने किरदार कल्कि के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लाइफ हिल गई की स्क्रिप्ट और कलाकारों ने बेहद प्रभावित किया। ऐसे कलाकारों के साथ काम करना जिन्हें बेहद प्यार किया जाता है एक सपने के सच होने जैसा है। साथ ही मुझे इसमें अपना किरदार कल्कि भी बेहद पसंद आया, जो बेहद ईमानदार और देखने लायक है।सीरीज का निर्माण हिमश्री फिल्म्स की आरुषि निशंक ने किया है, इसका निर्देशन प्रेम मिस्त्री ने किया है। जसमीत सिंह भाटिया ने इसे लिखा है।हिमश्री फिल्म्स की निर्माता आरुषि निशंक ने कहा, सीरीज लाइफ हिल गई एक कॉमेडी–ड्रामा है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी दुनिया की रचना थी जो भरोसेमंद, हल्की–फुल्की हो। इसके साथ ही उत्तराखंड से होने के कारण मैं हमेशा इस राज्य की सुंदरता को दुनिया को दिखाना चाहता थी और यह शो उत्तराखंड के स्वर्ग की एक झलक मात्र है।सीरीज के बारे में निर्देशक प्रेम मिस्त्री ने कहा, शो लाइफ हिल गई एक हार्टलैंड ड्रामा है, लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है। इसमें भाई–बहनों के बीच का भावनात्मक संबंध दिखाया गया है। लाइफ हिल गई डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

# वरुण धवन की नई कामेडी फिल्म का नाम है है जवानी तो इश्क होना है, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

वरुण धवन ने बहुत कम समय में दर्शकों के बीच अपनी एक अलग जगह बनाई है। उनके अभिनय से लेकर कॉमेडी और डांस तक प्रशंसकों को खूब भाता है। कुछ तो उन्हें नई पीढ़ी का गोविंदा भी कहते हैं।बहरहाल, अब वरुण अपनी नई फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसे लेकर सुगबुगाहट तो पहले ही शुरू हो गई थी, लेकिन फिल्म का नाम सामने नहीं आया था।अब नाम के साथ–साथ इसकी रिलीज तारीख भी सामने आ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण जल्द ही अपने पिता डेविड धवन की पिता की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका नाम है है जवानी तो इश्क होना है। यह फिल्म कॉमेडी से लबरेज होगी। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका लुत्फ आप अपने परिवार के साथ बैठकर उठा पाएंगे। मृणाल ठाकुर और श्रीलीला फिल्म में वरुण 2 हीरोइनों के साथ इश्क फरमाते दिखेंगे।डेविड इसके जरिए एक

बार फिर अपनी कहानी से दर्शकों को लोटपोट करने की तैयारी में हैं।है जवानी तो इश्क होना है डेविड के निर्देशन में बनी 90 के दशक की हिट फिल्म बीवी नंबर 1 का लोकप्रिय गाना है, जो सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन पर फिल्माया गया था। अब इसी नाम से डेविड फिल्म बना रहे हैं।सूत्र ने एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया कि फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल की शुरुआत आज यानी 10 जुलाई को मुंबई में शुरू हो गई है।वरुण अभिनेता मनीष पॉल और कुब्रा सैत के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। धीरे–धीरे फिल्म से जुड़े दूसरे कलाकार शूट शुरू करेंगे।फिल्म का संगीत भी शानदार होने वाला है। डेविड की इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। 2 अक्टूबर, 2025 में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वरुण अपने पिता डेविड के साथ अब तक 3 फिल्मों में काम कर चुके हैं। सबसे पहले वह 2014 में इलियाना डिक्रूज और नरगिस फाखरी के साथ फिल्म मैं तेरा हीरो लेकर आए, जिसे दर्शकों से हरी झंडी मिली थी।इसके बाद 2017 में तापसी पन्नू और जैकलीन फर्नांडिस के साथ आई फिल्म जुड़वा 2 भी हिट हुई थी।हालांकि, सारा अली खान के साथ 2020 में आई उनकी फिल्म कुली नंबर 1 को दर्शकों ने साफ नकार दिया था।वरुण को जल्द ही कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी के साथ एटली और मुराद खेतानी निर्मित बेबी जॉन में देखा जाएगा। है जवानी तो इश्क होना है से पहले बेबी जॉन दर्शकों के बीच आएगी।

जाह्नवी कपूर के साथ वरुण की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी आने वाली है, जिसके निर्माता करण जौहर हैं।उधर सामंथा रुथ प्रभु के साथ राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की वेब सीरीज सिटाडेल में वरुण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

# उड़ारियां में शादी के सीक्वेंस की शूटिंग थकान भरी, लेकिन मजेदार – अदिति भगत

टीवी के पॉपुलर शो उड़ारियां में शादी का सीक्वेंस चल रहा है। इसमें हानिया का किरदार निभा रही एक्ट्रेस अदिति भगत ने कहा कि शादी के सीक्वेंस की शूटिंग करना थकान भरा है, लेकिन बहुत मजेदार है।

शादियां हमेशा मजेदार होती हैं और उड़ारियां में चल रहा शादी का सीक्वेंस भी इससे अलग नहीं है।अदिति ने कहा, असल जिंदगी में शादियां मजेदार होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि जब आप शूटिंग कर रहे होते हैं तो यह अलग होता है। यह थोड़ा थकान भरा हो जाता है। इसमें बहुत सारे ड्रामा होते हैं, बहुत सारे लोग होते हैं, सजावट होती है और बाकी सब कुछ.. जिससे आपको निपटना होता है। उन्होंने कहा, लेकिन यह

फिर भी मजेदार है। इसमें डांस परफॉर्मेंस होती है, आपको ड्रेस अप करना होता है और ये सब चीजें होती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह थकान भरा है, लेकिन मजेदार है।जब उनसे उनकी ड्रीम वेडिंग के बारे में पूछा गया, तो अदिति ने कहा, मैंने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है, लेकिन मैं एक शो में 5 बार शादी कर चुकी हूं। मुझे लगता है कि मैं अभी जाकर कोर्ट मैरिज कर लूंगी। बस मजाक कर रही हूं।एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के सीक्वेंस दर्शकों को बहुत पसंद आते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि लोग शादी के सीक्वेंस से बहुत अच्छी तरह जुड़ सकते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि अपनी शादियों में या जिन शादियों में वे शामिल हुए हैं, उन्होंने कुछ देखा होगा, कुछ संबंधित मुद्दे और नाटक हो रहे होंगे। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक्साइटेड करता है।उड़ारियां का निर्माण रवि दुबे और सरगुन मेहता ने अपने बैनर ड्रीमियाता एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया है।शो में अविनेश रेखी और श्रेया जैन लीड रोल में हैं।इस शो में पहले प्रियंका चाहर चौधरी, ईशा मालवीय, अंकित गुप्ता, ट्विंकल अरोड़ा, हितेश भारद्वाज, अनुराज चहल और अलीशा खान अहम भूमिका में थे।

# ब्लू नेट ड्रेस में कहर ढा रहीं अवनीत कौर, एक्ट्रेस की हाटनेस ने फैंस को किया घायल

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन अवनीत कौर इन दिनों ग्रीस में छुट्टियां मना रही हैं. वहां से वो लगातार अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रही हैं, जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रहे हैं. हाल ही में, अवनीत कौर ने अपनी इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वो ब्लू कलर की नेट ड्रेस पहने हुए हैं. खुले बाल, लाइट मेकअप और राउंड प्रिंटेड हैट के साथ उनका यह लुक बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत लग रहा है.

टीकू वेड्स शेरू से अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर

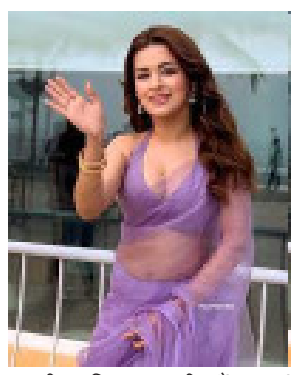

खासी एक्टिव रहती हैं. जहां हर दिन एक्ट्रेस अपने फैंस के साथ अपनी सिजलिंग और किलर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. अवनीत कौर ने अपनी ये दिलकश तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. जिसमें एक्ट्रेस समुद्र किनारे काफी बोल्ड एंड ब्यूटीफुल लुक में दिखी.

इन तस्वीरों में अवनीत कौर ब्लू कलर की बिकिनी ड्रेस पहने सिजलिगं पोज दे रही हैं. तस्वीरें ने इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा दिया हैं.

इस ब्लू बिकिनी के साथ सिर पर बड़ी सी टोपी पहने हुए अवनीत काफी हसीन लग रही हैं. वहीं फैंस भी एक्ट्रेस के अदाओं के कायल हो गए हैं.

अवनीत कौर ने अपना ये लुक लाइट मेकअप, गले में चेन और आंखों पर स्टाइलिश चश्मा लगाकर पूरा किया है.

हर तस्वीर में अवनीत कौर की अलग अदा देखने को मिल रही है. फोटोज में अवनीत कौर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दीं.

अवनीत कौर ने फोटोज को शेयर करते हुए लिखा कि, श्इस बीच मायकोनोस में टैन के लिए तैयार हो रही हूं...च

वर्कफ्रंट की बात करें तो अवनीत कौर को आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म श्टीकू वेडस शेरूय में देखा गया था. अवनीत कौर की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कमेंट कर रहे हैं. कई लोगों ने उनके लुक की तारीफ की है और उन्हें हॉट और गॉर्जियस बताया है.

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 14 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com


# ग्रामीण इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी ग्रामीणों को हो रही परेशानी।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर

सिद्धार्थनगर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जनपद में बाढ़ जैसे हालात बने हुए है नेपाल बार्डर का किनारा और कई नदियों से घिरे होने के कारण जिले में बाढ़ का आना कोई नई बात नही है लेकिन बाढ़ में लोगो को जिस मसीबत का सामना करना पड़ता है सबसे बड़ी चिंता का विषय है खास कर सबसे ज्यादा ग्रामीण इलाके के लोग बाढ़ में मुसीबत का सामना जान जोखिम में डाल कर करते है इस वर्ष भी जिले की सभी नदिया उफान पर है लगातार हो रही बारिश से पड़ोसी राज्य नेपाल ने भी पानी छोड़ दिया है जिससे जिले की नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर हो रहा है लगातार बढ़ रहे जल स्तर से ग्रामीण इलाकों के लोगो की समस्याएं बढ़ती जा रही

है जिले के ग्रामीण इलाके के रास्ते पानी से भर गए है जिससे लोगो के आवागमन में परेशानी हो रही है लोग कमर भर पानी मे चल कर अपने काम के लिए बाजार आ जा रहे है मजे की बात तो ये है कि शासन प्रशासन के इस बात की पुष्टि कर रहे है कि ग्रामीण इलाकों में सुबिधाये दिया जा रहा है लेकिन जिस तरह लोग पानी मे घुसकर अपनी जान हथेली पर रख काम कर रहे है उससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि शासन प्रशासन अपनी जिम्मेदारी के प्रति कितना सजग है लगातार बढ़ रहे जलस्तर से कई ग्रामीण इलाकों में पानी भर गया है जिससे लोगो को जरूरत के समान लेने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीण इलाकों में पानी भरने से दिन का समय तो कट जा रहा है लेकिन रात भय के साये में गुजारने को मजबूर है।

# पहली बरसात ने खोली करोड़ो से बनी सड़क की पोल।

## शासन, प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियो पर भी खड़े हो रहे सवाल।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर

सिद्धार्थनगर– एक तरफ सरकार लोगो को बेहतर सुविधा देने की बात कर रही है सभी जिलों को हाईवे और बेहतर सड़को से जोड़न और भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश बनाने का दावा कर रही है वही दूसरी तरफ प्रशासन इसके विपरीत कर रही है जिले में हो रहे सड़को के निर्माण में जमकर लापरवाही और गुडवत्ता विहीन कार्य हो रहा है जिसकी जानकारी विभाग को भी है लेकिन जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी को ताक पर रख कर कार्य कर रहे है इस तरह की लापरवाही तब सामने आती है जब कोई हादसा हो जाता है या होने के संकेत बनते है ऐसा ही एक मामला दो दिन पहले सामने आया। बताते चले कि जिले के स्टेशन रोड होते हुए नौगढ़ सोहास मार्ग जो लोटन बाजार तक जाती है इसकी दूरी 19 किलोमीटर की है सपा सरकार के समय से ही ये रोड बहुत खराब थी लेकिन इसके बनने की कोई उम्मीद

नही दिखाई दे रही थी प्रदेश में जब पहली बार योगी जी ने कमान संभाला तब विधान सभा कपिलवस्तु के इस क्षेत्र से श्यामधनी रही विधायक हुए तब लोगो मे उम्मीद जगी की अब इस रास्ते का कार्य होगा लेकिन पांच वर्ष तक केवल आस ही जगी और इस पर कुछ कार्य प्रारंभ हुआ जब दूसरी बार विधायक हुए तब भी लगा की अब ये सही होगा इस सड़क को लेकर जिले के सांसद भी लगे हुए थे दोनो जनप्रतिनिधि अपनी अपनी जिम्मेदारी इस सड़क पर दिखा रहे थे किसी तरह ये सड़क लगभग 45 करोड़ की लागत से बन कर तैयार हो गया और लोगो ने राहत की सांस ली लेकिन लोगो की ये उम्मीदे सड़क बनने के बाद पहली बरसात में बरसात के पानी की तरह बहती नजर आई।विदित हो कि 45 करोड़ की लागत से बनी ये 19 किलोमीटर की सड़क पहली बरसात में धरासाई होने लगी जमुआर नाले के बीच से गुजर रही ये सड़क अभी से ही टूटने लगी कही कही सड़क का एक तिहाई हिस्सा बाढ़ के पानी मे विलीन हो गया है सड़क पर बने एक छोटा पुलिया भी आधा टूट गया सड़को में कई जगह गड्ढे भी हो गए सड़को के किनारे की मिट्टी पानी की ठोकर से लगातार कटती जा रही है जिससे सड़क के टूटने का सिलसिला जारी है। मजे की बात तो ये है कि जिस कार्यदाई संस्था ने इस सड़क का निर्माण किया उसके खिलाफ प्रशासन क्या कार्यवाही करेगा ये प्रश्न का विषय है लेकिन रास्ते पर

चलने वालों की जिंदगी खतरे में जरूर है सवाल ये उठता है कि 45 करोड़ से बनी इस सड़क के टूटने को लेकर दम भरने वाले जनप्रतिनिधियो द्वारा क्या कार्यवाही की जाएगी ये तो समय तय करेगा लेकिन अभी एक साल भी नही हुआ इस सड़क के निर्माण को और अभी से इसकी

लाइफ खत्म होना शुरू हो गया इस कार्य मे किये गए भ्रष्टाचार की जांच शासन प्रशासन द्वारा होगी या ठंडे बस्ते की बात बनकर ही राह जाएगी।

# पुलिस अधीक्षक ने किया बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का निरीक्षण।

## जनसम्पर्क कर खाद्य सामग्री का किया वितरण।

C;jk fl)kFkuxj

सिद्धार्थनगर– जनपद में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों में पानी बढ़ने से बाढ़ की स्थिती उत्पन्न हो गई है इससे निपटने के लिए जनपद के थाना त्रिलोकपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम इमिलिया का भ्रमणध् निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान बाढ़ से बचाव की तैयारियों का जायजा लिया गया, तथा जनसम्पर्क कर खाद्य सामग्री का वितरण किया गया जहां बहाव बहुत ज्यादा है वहां आवागमन बन्द किया गया है चौपाल लगाकर बाढ़ जैसी आपदा से निपटने के लिए बाढ़ के समय जनधन की हानि से बचने के लिए उपायों एवं सतर्कता के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया तथा आने वाली संक्रामक बीमारियों से भी बचने हेतु लोगों को सतर्क रहने एवं उससे बचाव करने के संबंध में अवगत गया आपदा में एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं समभाव की भावना बनाए रखने हेतु प्रेरित भी किया गया इस दौरान थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर तथा थाना त्रिलोकपुर व राहत बचाव के अन्य अधिकारीध्कर्मचारीगण मौजूद रहें ।

# थाना डुमरियागंज में हुआ समाधान दिवस का आयोजन।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर

सिद्धार्थनगर– शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है आज थाना समाधान दिवस के अवसर पर आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं आई.जी. बस्ती परिक्षेत्र बस्ती आर0के0भारद्वाज, जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की उपस्थिति में थाना डुमरियागंज में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। थाना डुमरियागंज में हुआ समाधान दिवस का आयोजन।

सिद्धार्थनगर– शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है आज थाना समाधान दिवस के अवसर पर आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं आई.जी. बस्ती परिक्षेत्र बस्ती आर0के0भारद्वाज, जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की उपस्थिति में थाना डुमरियागंज में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह द्वारा सुना गया ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबधित था उपजिलाधिकारी डुमरियागंज एवं तहसीलदार डुमरियागंज को निर्देश दिया कि आवेदन कर्ताओ के सभी प्रार्थना–पत्रों का मौके पर जाकर निस्तारण कराये आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह द्वारा जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 से बाढ़

की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी जिलाधिकारी ने आज की रिपोर्ट के अनुसार बताया कि कि जनपद में मैरूण्ड ग्रामों में राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है राहत सामग्री आपूर्ति करने वाले फर्म को शीघ्र आपूर्ति करने हेतु निर्देश दिया गया है तहसील स्तर पर काल रजिस्टर से बाढ़ प्रभावित ग्रामो के प्रधान, सचिव एवं लेखपाल के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा रही है गर्भवती महिलाओ एवं बीमार व्यक्तियों को चिन्हित करने का कार्य किया जा रहा है एवं प्रतिदिन सूचना प्राप्त की जा रही है जनता की प्रत्येक समस्याओ का निराकरण अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है जनपद में बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा थाना डुमरियागंज के रजिस्टर नं0–8, एच.एस. रजिस्टर, शस्त्र रजिस्टर, 27ध्30 के अन्तर्गत शस्त्र के लाइसेंस धारक द्वारा किये गये उल्लघंन का निरीक्षण किया इसके अलावा जमानत सत्यापन रजिस्टर, पैदल गस्त के संबध में जानकारी ली गयी रजिस्टर मालखाना, जी.डी. धारा के अन्तर्गत दर्ज मामलो का कम्प्यूटर में फीडिंग किया गया है उसे भी देखा गया सभी रजिस्टर पूर्ण पाये गये एवं समस्त रजिस्टरों के बारे में वित्सतारपूर्वक जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ द्वारा दिया गया।

सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह द्वारा सुना गया ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबधित था उपजिलाधिकारी डुमरियागंज एवं तहसीलदार डुमरियागंज को निर्देश दिया कि आवेदन कर्ताओ के सभी प्रार्थना–पत्रों का मौके पर जाकर निस्तारण कराये आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह द्वारा जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 से बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी जिलाधिकारी ने आज की रिपोर्ट के अनुसार बताया कि कि जनपद में मैरूण्ड ग्रामों में राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है राहत सामग्री आपूर्ति करने हेतु फर्म को शीघ्र आपूर्ति करने हेतु निर्देश दिया गया है तहसील स्तर पर काल रजिस्टर से बाढ़ प्रभावित ग्रामो के प्रधान, सचिव एवं लेखपाल के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा रही है गर्भवती महिलाओ एवं बीमार व्यक्तियों को चिन्हित करने का कार्य किया जा रहा है एवं प्रतिदिन सूचना प्राप्त की जा रही है जनता की प्रत्येक समस्याओ का निराकरण अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है जनपद में बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा थाना डुमरियागंज के रजिस्टर नं0–8, एच.एस. रजिस्टर, शस्त्र रजिस्टर, 27/30 के अन्तर्गत शस्त्र के लाइसेंस धारक द्वारा किये गये उल्लघंन का निरीक्षण किया इसके अलावा जमानत सत्यापन रजिस्टर, पैदल गस्त के संबध में जानकारी ली गयी रजिस्टर मालखाना, जी.डी. धारा के अन्तर्गत दर्ज मामलो का कम्प्यूटर में फीडिंग किया गया है उसे भी देखा गया सभी रजिस्टर पूर्ण पाये गये एवं समस्त रजिस्टरों के बारे में वित्सतारपूर्वक जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ द्वारा दिया गया।

# पार्टी की रीढ़ हैं कार्यकर्ता – शाही

## कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि – सांसद

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा विधानसभा पथरदेवा के तरकुलवा नगर पंचायत में मतदाता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मतदाताओं और पार्टी के कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए संभावनाएं हैं और अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता को भी अग्रिम पंक्ति में आने का मौका मिलता है । अन्य दलों में सारे पद परिवार में ही रख लिए जाते हैं । उन्होंने कहा कि हमारा कार्यकर्ता विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित के कार्यों और समाज में सौहार्द कायम रखने का कार्य करता है । पार्टी की अपनी एक विशिष्ट कार्यशैली है शिष्टाचार, अनुशासन और सभी के प्रति समभाव की धारणा और इसी कार्यशैली के कारण भाजपा का कार्यकर्ता वंदनीय है । उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया । अभिनंदन समारोह को सम्बोधित करते हुए सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की बदौलत पुनः तीसरी बार केंद्र में हमारी सरकार बनी है इसलिए कार्यकर्ताओं का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है । उन्होंने कहा कि संगठन के सच्चे सिपाहियों के साथ समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करता रहूंगा तथा देवरिया के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत रहूंगा । जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से हमारे कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम करके पार्टी को जीत दिलाने का कार्य किया है निश्चित ही वो अभिनंदन के पात्र है । मंडल से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी के कार्यकर्ताओं के माध्यम से क्षेत्र के जनता की सेवा होती रहेगी । उन्होंने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का स्वागत कर आभार जताया । कार्यक्रम का संचालन विधानसभा संयोजक अवधेश सिंह ने किया, इस अवसर पर जिला महामंत्री, श्रीनिवास मणि, प्रमोद शाही, रविंद्र कौशल, जितेंद्र प्रताप राव, संजय सिंह सैंथवार, रामाशीष गुप्ता, रामशंकर सिंह कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष जीवनपति तिवारी, विजय श्रीवास्तव, रमेश सिंह, उमेश मल्ल, विनय राव, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

# ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर का योगदान

सोनभद्र(आरएनएस)। एनटीपीसी–विंध्याचल द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत परियोजना के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विगत कई वर्षों से अनेक प्रकार के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाना और छात्रों के लिए बेहतर शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराना है। इस पहल के तहत 12 जलाई को शासकीय स्कूल शाहपुर नवजीवन विहार सेक्टर–१, में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान स्कूल के छात्र–छात्राओं को स्कूल बैग वितरित किए गए। यह आयोजन न केवल बच्चों को आवश्यक शैक्षिक सामग्री प्रदान करने के उद्देश्य से था, बल्कि उनके अध्ययन के प्रति उत्साह और प्रेरणा को भी बढ़ावा देना था।इस अवसर पर एनटीपीसी–विंध्याचल के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार और समर्थन के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को बेहतर शिक्षा संसाधन उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और वे इसके लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। इसके अलावा, छात्रों और अध्यापकों तथा वार्ड पार्षद ने इस पहल की सराहना की और एनटीपीसी–विंध्याचल का धन्यवाद किया।इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल बच्चों को भौतिक संसाधन उपलब्ध कराती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित करती हैं। एनटीपीसी–विंध्याचल का यह प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है और इससे निश्चित रूप से क्षेत्र के बच्चों को लाभ मिलेगा। इस कार्यक्रम में कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल एवं उनकी टीम तथा वार्ड पार्षद श्यामला देवी विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

# गुप्त काशी दर्शन यात्रा की तैयारी पर हुई चर्चा

सोनभद्र(आरएनएस)। शनिवार को गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक सदर विधानसभा कार्यालय पर ट्रस्ट के संरक्षक एवं सदर विधायक भूपेश चौबे के उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक में प्रत्येक वर्ष पंच तत्व की रक्षा के लिए निकलने वाली गुप्त काशी दर्शन यात्रा की तैयारी पर बिंदुवार चर्चा कर यात्रा की व्यवस्था में तिथि प्रमुख तय किए गए जिसमें प्रथम दिवस के संदीप पांडे, द्वितीय दिवस के दीपक पंडित, तृतीय दिवस के योगेंद्र बिन्द एवं सह प्रमुख जयशंकर यादव चतुर्थ दिवस के आलोक सिंह और पंचम दिवस के विपिन तिवारी एवं सह प्रमुख अजय गुप्ता नियुक्त किए गए । बैठक को संबोधित करते हुए गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश चौबे ने यात्रा के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि सोनभद्र के प्रकृति संस्कृति पर्यावरण एवं पर्यटन विकास के लिए यह यात्रा लगभग 51 प्राचीन देवस्थानों, भित्ति चित्र, गुफाएं, जलप्रपात एवं प्राचीन दुर्गों का दर्शन करते हुए लोगों को जागरूक करती है ।

# कम्पोजिट विद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण से रोष

सोनभद्र(आरएनएस)। थाना दिवस पर आए फरियादी सुरेश चंद्र शुक्ल पुत्र व्रतराज शुक्ल ग्राम पंचायत अमौली पोस्ट अमौली थाना तहसील रार्बटसगंज जो वर्तमन में ग्राम पंचायत अमौली का प्रधान है। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष 2023 में विद्यालय की चाहर दीवारी आंधी में गिर गई थी प्रार्थी वर्तमान में चहर दीवारी का निर्माण करा रहा है बगल के कास्तकार नंदू यादव पुत्र स्व0 डंगर यादव द्वारा विद्यालय की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है जिसको क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा कई बार नापी कर पत्थर गड़ी करा दिया गया है और नंदू यादव द्वारा भी स्वयं की जमीन को नपवाया गया है इसके बावजूद विद्यालय की जमीन छोड़ने के लिए तैयार नहीं है कार्य करने में अवरोध उत्तपन्न कर रहे है और सरकारी कार्य में बार बार बाधा डाल रहे है क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा बार बार मना करने के बाद भी नहीं मान रहे है ऐसी स्थिति में निर्माण कार्य कराने के लिए पुलिस फोर्स की जरूरत महसूस हो रही है जिससे निर्माण कार्य कराया जा सके।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।